सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 309 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 23 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

राज्य में आज से दो दिनों तक पांचों संभाग में भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर बारिश की गतिविधियां बढ़ाने की संभावना है। आज शुक्रवार को प्रदेशभर में बारिश के आसार हैं। साथ ही आगामी दो-तीन दिनों तक प्रदेश के पांचों संभाग के अधिकांश जिलों में अच्छी बारिश हो सकती है। बीते दिनों गुरुवार को कई जगहों पर मूसलाधार बारिश हुई है। इससे निचले सड़कों में जलभराव हो गया है। साथ ही नदी नाले उफान पर हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में 23 और 24 अगस्त को बारिश की गतिविधि में बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके साथ ही रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के सभी जिलों में अच्छी बारिश के आसार हैं। वहीं जिले के एक-दो जगह पर भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि छत्तीसगढ़ में कुछ दिनों तक मौसम ऐसे ही बने रहने की संभावना है। साथ ही पांचों संभाग में अच्छी बारिश के आसार हैं।

एक चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 9.4 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है जो कि अगले 48 घंटे के दौरान इसके पश्चिम बंगाल के लगभग पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। दूसरी और औसत समुद्र तल पर मानसून द्रोणिका श्रीगंगानगर, रोहतक, उरई, सिद्धि, गया, उतरी बांग्लादेश और उसके आसपास के इलाकों में निम्न दबाव वाले क्षेत्र के केंद्र से होकर गुजर रही है और फिर वहां से पूर्व-दक्षिण-पूर्व की ओर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्व की ओर समुद्र ताल से 0.9 किलोमीटर ऊपर तक स्थित है। इसके प्रभाव से प्रदेश में अधिकांश जगहों पर हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं एक दो जगह पर गरज चमक के साथ वज्रपात और भारी बारिश होने की संभावना है।

नक्सलवाद पर अंतिम प्रहार की तैयारी!

आज रात पहुंचेंगे गृहमंत्री शाह, कल 7 राज्यों के अफसरों के साथ होगा मैराथन मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। सर्वाधिक नक्सल प्रभावित राज्य छत्तीसगढ़ से नक्सलियों पर अंतिम प्रहार की तैयारी शुरू होने जा रही है। इस सिलसिले में आज रात केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजधानी रायपुर पहुंचने वाले हैं। वे कल 7 पड़ोसी राज्यों के मुख्य सचिव व डीजीपी के साथ ही आर्म्स फोर्स के अफसरों के साथ बैठककर नक्सलियों के सफाए का ब्लूप्रिंट तैयार करेंगे। आज ही 70 अफसरों का दल भी यहां पहुंच रहा है। जिन राज्यों के अफसरों के साथ शाह बैठक करने जा रहे हैं, उनमें छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, झारखंड, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। पिछले साल के अंत में विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के सफाए का वायदा किया था। छत्तीसगढ़ में इसी के अनुरूप काम भी चल रहा है, जिसके बेहतर नतीजे विगत 6 महीनों में देखने को मिले हैं।

नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई अब बस शुरू ही होने वाली है। छत्तीसगढ़ में शाह 3 दिन तक रहेंगे, जहां अलग-अलग बैठकें आयोजित की जाएंगी। शाह नक्सल मामलों की समीक्षा भी कर सकते हैं। केन्द्रीय गृहमंत्री के दौरे के चलते पूरे प्रदेश में पुलिस अलर्ट मोड पर है। वहीं शाह के दौरे को लेकर राज्य सरकार ने भी पूरी तैयारी कर ली है। अमित शाह 24 अगस्त को महाप्रभु वल्लभाचार्य आश्रम का दौरा करेंगे। सुबह 11:30 बजे अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक लेंगे। इस दौरान नक्सल विरोधी अभियान की समीक्षा की जाएगी। बैठक में छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी हिस्सा लेंगे। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास संबंधित मुद्दे पर आयोजित बैठक में शामिल होंगे। अमित शाह 25 अगस्त को रायपुर में एनसीबी ऑफिस का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के बाद समीक्षा बैठक भी लेंगे। दोपहर 1:30 बजे सहकारिता के विस्तार से संबंधित बैठक करेंगे।

सीएम साय करेंगे स्वागत

गृहमंत्री अमित शाह के आगमन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और मंत्री एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करेंगे। वहां से गृहमंत्री अमित शाह होटल मेफेयर आएंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। इधर, भाजपा के प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन भी गुरुवार शाम रायपुर पहुंच गए। उनके दौरे के बारे में बताया गया कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह के दौरे के चलते उनका आगमन हुआ है। प्रदेश प्रभारी से भाजपा पदाधिकारियों की मुलाकात होगी। शाह तीन दिवसीय दौरे पर यहां आ रहे हैं। यह उनका चार माह में दूसरा छत्तीसगढ़ दौरा है। वे यहां छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र के मुख्य सचिवों, पुलिस महानिदेशकों के अलावा केंद्र सरकार के सुरक्षा अधिकारियों की बैठक लेंगे। इस दौरान नक्सलियों के खिलाफ जॉइंट ऑपरेशन को लेकर बड़ी रणनीति बन सकती है। बैठकों का दौर कल से प्रारम्भ होगा।

अलग-अलग भी होगी चर्चा

जानकारियों के मुताबिक, गृहमंत्री शाह सभी 7 राज्यों के अफसरों से एकसाथ और बाद में अलग-अलग भी चर्चा कर सकते हैं। रायपुर में 24 अगस्त को गृहमंत्री शाह नक्सल मामलों की कोआर्डिनेशन कमेटी की बैठक के साथ छत्तीसगढ़ के नक्सल इलाकों में हुए विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। नक्सल इलाकों में विकास कार्य केंद्र सरकार की नक्सल उन्मूलन के मामले में बड़ी प्राथमिकता है, इसलिए इस बैठक को भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कोआर्डिनेशन कमेटी के साथ गृहमंत्री शाह सभी डीजीपी से अलग-अलग मुलाकात कर उनके राज्यों की स्थिति से अवगत होंगे। गृहमंत्री अमित शाह के दौरे और नक्सलवाद के खिलाफ फुल प्रूफ रणनीति पर डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा, नक्सल मोर्चे पर आने वाले वक्त में संयुक्त रणनीति पर काम होगा। छत्तीसगढ़ में गृहमंत्री अमित शाह की मंशा के अनुरूप काम हुआ है।

भाजपा सरकार में मिली सफलता

भाजपा सरकार में पिछले 8 महीने में 32 से ज्यादा नए कैंप खोले गए हैं। नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा के गांव में फोर्स ने दस्तक दी है। नक्सलियों के अभेद किले के नाम से चर्चित अबूझमाड़ को लगातार भेदा जा रहा है। बस्तर में जवानों ने जनवरी से अगस्त तक करोड़ों के इनामी 146 माओवादियों को मार गिराया है। राज्य की सत्ता में परिवर्तन के बाद यह सब कुछ बड़ी तेजी से हुआ है। शायद यही वजह है कि शाह के इस दौरे को लेकर नक्सलियों के भी हाथ-पाँव फूले हुए हैं। माना जा रहा है कि डबल इंजन की सरकार के चलते छत्तीसगढ़ से नक्सलियों के पांव लगभग उखड़ चुके हैं। अब बस अंतिम और जोरदार प्रहार की आवश्यकता है। हालांकि गृहमंत्री शाह ने नक्सलियों के सफाए के लिए 3 साल का वक्त नियत किया था। इसी के अनुरूप काम भी चल रहा है।

होटल मेफेयर बनेगा केन्द्र

गृहमंत्री अमित शाह होटल मेफेयर में रूकेंगे। वहीं सभी 7 राज्यों के सीएस व डीजीपी के लिए भी इसी होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है। यहां पर करीब 70 अधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था अलग-अलग हिस्सों में की गई है। गृहमंत्री इसी होटल में बैठक भी लेंगे। इसके चलते तमाम व्यवस्थाओं को समन्वित करने रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह और आईजी अमरेश मिश्रा को जिम्मेदारी दी गई है। एयरपोर्ट से सभी अधिकारियों को रिसीव करने के निर्देश भी दिए गए हैं। हालांकि गृहमंत्री शाह की अगुवानी करने के लिए स्वयं मुख्यमंत्री व केबिनेट मंत्रियों के साथ ही संगठन के बड़े नेता भी पहुंचेंगे।

नेपाल में 40 यात्रियों को लेकर जा रही भारत की बस नदी में गिरी, 14 लोगों की मौत

गोरखपुर से यात्रियों को लेकर काठमांडू जा रही थी बस

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में शुक्रवार को एक भारतीय यात्री बस के मर्सियांगडी नदी में गिर जाने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, बस में 40 यात्री सवार थे। दुर्घटना तनहुन जिले के आइना पहाड़ा में हुई। सशस्त्र पुलिस बल नेपाल आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण विद्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) माधव पौडेल के नेतृत्व में 45 कर्मियों की एक टीम दुर्घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। बचाव अभियान शुरू किया जा चुका है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 14 शव बरामद किए गए हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गोरखपुर से यात्रियों को लेकर नेपाल गई एक भारतीय बस शुक्रवार को हादसे का शिकार हो गई। बस पोखरा से काठमांडू जा रही थी। तनहुन के एसपी बीरेंद्र शाही ने हादसे की जानकारी दी है। स्थानीय पुलिस कार्यालय के निरीक्षक अबू खैरेनी मौके पर मौजूद हैं। सेना और सशस्त्र बलों को सूचित कर दिया गया है। बस का नंबर यूपी एफटी 7623 बताया जा रहा है। आगे की जानकारी का इंतजार है। इस बीच उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त ने कहा कि नेपाल की घटना के संबंध में हम यह पता लगाने के लिए संपर्क स्थापित कर रहे हैं कि क्या बस में उत्तर प्रदेश का कोई व्यक्ति था। घटना के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

इससे पहले इस साल जुलाई में नेपाल में दो बसों में सवार 65 लोग उफनती त्रिशूली नदी में बह गए थे। तब काठमांडू जाने वाली एंजेल बस और गणपति डीलक्स की बस हादसे का शिकार हुई थीं। बसें काठमांडू से रौतहट के गौर जा रही थीं। घटना क्षेत्र में भारी बारिश के बीच हुई थी।

निर्माणाधीन फार्म हाउस की ढह गई छत, पांच मजदूरों की मौत

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के पास चोरल में एक फार्म हाउस की निर्माणाधीन छत गिरने से छह मजदूर उसमें दब गए। पांच मजदूरों की मौत की सूचना है। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती करवाया है। आसपास के गांव के ग्रामीण मदद कर रहे हैं। मौके पर मौजूद पटवारी प्रकाश सोनी ने बताया कि खसरे पर फार्म हाउस मालिक का नाम ममता पति कन्हैया लाल और अनाया पति भरत डेमला दर्ज है। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि चोरल में निर्माणाधीन इमारत में गुरुवार को ही स्लैब डाली गई थी। रात को मजदूर उसी के नीचे सो गए। पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौके पर हैं। राहत कार्य जारी है। घटनास्थल पर मौजूद एसपी हीतिका वासल ने बताया कि तीन जेसीबी और एक

पोकलेन की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। अभी तक 5 शव निकाल लिए गए हैं।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक इंदौर के एक वकील चोरल में यह फार्म हाउस बनवा रहे थे। फार्म हाउस बनाने के लिए सभी मजदूर इंदौर से ही वहां पर गए थे। कल दिनभर काम करने के बाद मजदूर रात में खाना खाकर निर्माणाधीन छत के नीचे ही सो गए। छत गिरने पर सभी मजदूर दब गए और रात में किसी को पता भी नहीं चला। सुबह जब गांव के कुछ लोग वहां से गुजरे तो उन्हें हादसे की जानकारी मिली। इसके बाद एंबुलेंस को बुलवाया गया और मलबा हटाने का काम शुरू हुआ।

लोहे के एंगल पर टिकी थी छत

छत को लोहे के एंगल पर बनवाया जा रहा था। एंगल झुकने से छत गिर गई। लोहे के एंगल छत के सीमेंट कांक्रीट का भार नहीं सह सके, इस वजह से हादसा हुआ। इंदौर में गुरुवार को रातभर तेज बारिश भी हुई। निर्माणाधीन छत इसी वजह से गिरने की संभावना जताई जा रही है। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने मजदूरों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती करवाया है। कुछ मजदूरों को इंदौर लाया जा रहा है।

पप्पू ने ही उठाया सबसे बड़ा सवाल

श्रीकंचनपथ

स्कूल में किसी बच्चे का उपनाम रखकर उसका मजाक बनाया जाता है या उसकी खिल्ली उड़ायी जाती है तो उसे बुली करना कहा जाता है। बुली करने को अच्छी नजरों से नहीं देखा जाता। आम तौर पर ऐसे लोगों को रईस बाप की बिगड़ी औलाद का दर्जा दिया जाता है। पर अपने यहां कुछ समय से राजनीतिक हवा बदली हुई है। यहां बिगड़ी औलादें ज्यादा नजर आने लगी हैं। इन लोगों ने एक नेता को पप्पू नाम दे दिया है। ये लोग उसके भाषणों को तोड़-मरोड़कर लोगों के आमोद-प्रमोद का विषय बना देते हैं। पर कहते हैं न कि अगर योग्यता हो तो बुली करने वाले बुली करते रह जाते हैं और जिसे जो बनना होता है, एक दिन बन ही जाता है। इसी पप्पू ने एक लाख टके का सवाल उठाया है। एक ऐसा सवाल जो अब तक किसी भी दाढ़ी वाले, किसी साफा वाले या किसी टोपी वाले की जुबां पर नहीं आ पाया। पप्पू ने सवाल उठाया है कि क्या अब सिर्फ एफआईआर लिखवाने के लिए भी आंदोलन करना पड़ेगा। पप्पू ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पश्चिम बंगाल, यूपी, बिहार के बाद महाराष्ट्र में भी बेटियों के खिलाफ शर्मनाक अपराध सोचने पर मजबूर कर रहे हैं कि हम एक समाज के तौर पर कहां जा रहे हैं। बदलापुर में दो मासूमों के साथ दरिन्दगी होती है पर पुलिस तब तक चुपचाप बैठी रहती है जब तक न्याय की गुहार लगाती भीड़ सड़कों पर नहीं आ जाती। पप्पू ने पूछा है कि क्या अब एफआईआर दर्ज कराने के लिए भी आंदोलन करने पड़ेंगे? आखिर पीड़ितों के लिए पुलिस थाने तक जाना भी इतना मुश्किल क्यों हो गया है? पप्पू ने कहा कि आज न्याय दिलाने से ज्यादा कोशिश अपराध को छिपाने के लिए की जाती है। इसका सबसे बड़ा शिकार महिलाएं और कमज़ोर वर्ग के लोग होते हैं। एफआईआर दर्ज नहीं होना न सिर्फ पीड़ितों को हतोत्साहित करता है बल्कि अपराधियों के हौसले को भी बढ़ाता है। आज सरकारों, नागरिकों और राजनीतिक दलों को गंभीर मंथन करना होगा कि समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए क्या कदम उठाए जाएं। न्याय हर नागरिक का अधिकार है, उसे पुलिस और प्रशासन की 'मर्जी का मोहताज' नहीं बनाया जा सकता। आज हम देखते हैं कि चारों तरफ मर्जी का ही खेला चल रहा है। अभी दो दिन पहले अजमेर कांड का एक और फैसला आया है। सामूहिक दुष्कर्म और न्यूड फोटो ब्लैक मेल केस में छह आरोपियों को 20-20 साल की सजा सुनाई गई है। यह मामला 1992 का है जब स्कूल-कालेज की 100 से अधिक छात्राओं के साथ बलात्कार किया गया। इसमें प्रत्येक गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने नया चार्जशीट दाखिल किया और हर बार सुनवाई फिर से शुरू हुई। पीड़ितों को बार-बार गवाही देनी पड़ी। पीड़िताओं की पूरी उम्र न्याय के लिए लड़ने में ही निकल गई। क्या अब भी इसे न्याय कहेंगे?

संपादकीय

लेटरल एंट्री पर रोक

केंद्र सरकार ने यूपीएससी द्वारा संयुक्त सचिव और उप-सचिव स्तर के 45 पदों पर सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) की प्रक्रिया को रोकने का जो निर्देश दिया है, उसके गहरे वैधानिक-राजनीतिक निहितार्थ हैं। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की चेयरपर्सन को लिखे अपने खत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जिन चिंताओं का जिक्र किया है, वे वाजिब चिंताएं हैं। देश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान सामाजिक न्याय पर आधारित है और उसका लक्ष्य प्रशासनिक ढांचे में सभी वर्गों की सहभागिता और समावेशिता को सुनिश्चित करना है।

> "मगर इन 45 पदों के लिए जो विज्ञापन दिए गए थे, उनमें आरक्षण की व्यवस्था नहीं थी। जाहिर है, प्रतिपक्ष ने इस पहलू को लपकते हुए विरोध का बवंडर खड़ा कर दिया। अब प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद आशा है कि भविष्य में सरकारी नियुक्तियों में संविधान में निहित सामाजिक न्याय के आदर्शों का पूरा-पूरा ख्याल रखा जाएगा। वैसे भी, ज्यादा दिन नहीं हुए, जब आरक्षित कोटे से जुड़ी अनियमितता की शिकायतों के मद्देनजर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में 69 हजार सहायक शिक्षकों की नियुक्ति की नई सूची तैयार करने का आदेश सुनाया था। साफहै, सरकारी नियुक्तियों में सांविधानिक व्यवस्थाओं की किसी किस्म की अनदेखी या चूक अदालती विवाद को ही न्योता देगी।

लेटरल एंट्री का चलन नया नहीं है। पिछली यूपीए सरकार और उसके पहले की कांग्रेस सरकारों में भी ऐसी नियुक्तियां होती रही हैं। मगर चूंकि वे इक्का-दुक्का पदों पर होती थीं, और चयनित लोग अपने-अपने क्षेत्र के स्थापित नाम हुआ करते थे, इसलिए उनको लेकर बहुत विवाद खड़ा नहीं हुआ। दुर्योग से अब कोई भी सरकारी नियुक्ति हो, चाहे वह नियमित भर्ती प्रक्रिया के जरिये ही क्यों न हुई हो, अविवादित नहीं रह पाती। निस्संदेह, इसके मूल में अभ्यर्थियों की बढ़ती संख्या एक अहम वजह तो है ही, सामाजिक-राजनीतिक चेतना का विस्तार भी एक बड़ा कारण है। ऐसे में, शीर्ष स्तर पर दर्जनों लेटरल नियुक्तियां अब किसी सरकार के लिए आसान न होंगी। भले ही ये नौकरशाही की बेहतरी और एक सीमित अवधि के लिए की जाती हैं।

मौजूदा नियुक्ति प्रक्रिया को निरस्त किए जाने के पीछे राजनीतिक अवधारणाओं को नकारा नहीं जा सकता। सभी जानते हैं, 'संविधान पर खतरे' के विपक्ष के नैरेटिव ने पिछले आम चुनाव में भाजपा व एनडीए को नुकसान पहुंचाया था और अब लेटरल एंट्री के जरिये आरक्षण की सांविधानिक व्यवस्था को नकारने और दलितों, आदिवासियों व पिछड़े वर्गों की हकमारी का उसका आरोप हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के आगामी विधानसभा चुनावों के साथ-साथ उप-चुनावों में भी एक बड़ा मुद्दा बन सकता था। फिर इसके तुरंत बाद झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव हैं, जहां आरक्षण का मसला बेहद संवेदनशील है। इसलिए यह लेटरल एंट्री केंद्र में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए सिरदर्द बन सकती थी। एनडीए में शामिल लोजपा और जद-यू तो इसके खिलाफ मुखर हो भी चुके थे। ऐसे में, उचित ही केंद्र ने त्वरित कदम उठाते हुए इसे निरस्त करने का फैसला किया है। लोकतांत्रिक राजनीति जन-धारणाओं से संचालित होती है और यदि एक बड़े नागरिक वर्ग में यह अंदेशा पैठ जाए कि उसके अधिकारों में कटौती की जा रही है, तो यह राजनीतिक रूप से ही नहीं, सामाजिक रूप से भी सुखद बात नहीं है। इसलिए प्रधानमंत्री के इस हस्तक्षेप का स्वागत किया जाना चाहिए।

मानव विकास जीरो, भौतिक विकास हीरो

भूपेन्द्र गुप्ता

अस्पताल में अपने पुत्र के इलाज के लिए गए मेरे एक मित्र ने मुझे बताया कि बेटे के बेड के सामने ही दो बच्चे अपने पिताजी का भी इलाज आयुष्मान कार्ड से करा रहे थे और परेशान थे। इसी परेशानी में जब मित्र ने उनसे बातचीत शुरू की और पूछा कि बेटा कहां तक पढ़ाई की है?तो उन्होंने बताया कि वे पढ़ाई छोड़ चुके हैं ।मेरे मित्र ने आश्चर्य से पूछा कि क्यों ?तो उसने कहा कि उसके कई मित्र पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद भी 15 हजार की नौकरी कर रहे हैं, इतना पैसा तो मजदूरी करके भी कमाया जा सकता है फिर पढ़ने की क्या जरूरत है ? यह धारणा कितने प्रतिशत बच्चों में घर कर चुकी है यह तो कहना मुश्किल है लेकिन सरकारी आंकड़ों में मध्य प्रदेश के कॉलेज में लाखों खाली पड़ी सीटें संकेत जरूर देती हैं कि यह सोच और यह धारणा धीरे-धीरे समाज में पैर पसार रही है। पैसा ही विकास का मापदंड बन गया है अगर आप पेट भर पा रहे हैं तो आप सफल हैं ।संतोष का यह स्तर किसी भी समाज को आगे बढ़ाने की बजाय किसी खाई खंदक की तरफ भी ले जा सकता है। शिक्षा समझ और रोजगार पैदा कर सकती है इन दोनों चीजों पर शासकीय नीतियों ने भरोसा कम कर दिया है अब उदर पोषण ही भरण पोषण बन रहा है।

देश की सल्तनत में भी यह विचार निरंतर घर करता जा रहा है कि भौतिक विकास ही दर्शनीय विकास है और विकास के नाम पर अगर हमें लोकप्रियता अर्जित करना है तो बड़ी-बड़ी अट्टालिकाएं, भवन और सड़कों का विकास ही विकास के प्रयासों का वास्तविक प्रदर्शन हो सकता है। यही कारण है कि अस्पतालों के नाम पर भवन बन रहे हैं लेकिन डाक्टर नहीं हैं ।डेढ-दो हजार करोड़ के मेडीकल कालेज बन रहे हैं किंतु पढाने वाले दो दर्जन प्रोफेसर भी नहीं हैं ।उपचार के लिये 1500 डाक्टरों की भी भर्ती नहीं हो पा रही है जबकि मध्य प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 4 हजार डाक्टर तैयार होते हैं। कालेज खोले जा रहे हैं किंतु अतिथियों के भरोसे पढाई चल रही है। इंजीनियरिंग कालेजों में हजारों सीट खाली हैं ।मानव विकास को उपेक्षित करके भौतिक विकास केवल भ्रष्टाचार और पिलफिरेज का ही माडल बन सकता है,वह स्थाई और सर्वस्पर्शी विकास नहीं बन सकता न ही ऐसा विकास मानव जीवन में बदलाव ला सकता है।

सरकार के अंदर बैठे हुए योजनाकार भी लगभग इसी धारणा के बंधक प्रतीत होते हैं। देश में उच्च शिक्षा तक आने के लिए मजबूत प्राइमरी शिक्षा आवश्यक है वहां से निकलकर ही छात्र उच्च शिक्षा में हाथ आजमा सकता है लेकिन योजनाकारों के मन में यह सवाल ही नहीं उठता कि देश में 2014 में जो 12 लाख 4 हजार शालायें थीं वे घटकर 2022 में 11 लाख 28 हजार कैसे रह गईं? जनसंख्या बढ़ रही है और स्कूलें कम हो रही हैं। क्या यह सुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लक्ष्य की पूर्ति करता है? देश भर में 2018-19 की रपट के मुताबिक बंद की गईं कुल 60371 स्कूलों में अकेले मध्य प्रदेश में ही बंद की गईं 29361 शालायें हैं। क्या इतने बंद स्कूलों की भरपाई 50-55 सीएम राईज स्कूल कर सकते हैं?शायद नहीं। किंतु एक भ्रम जरूर पैदा कर सकते हैं कि कुछ किया जा रहा है।

ऐसे अंधेरे भरे वातावरण में कुछ लोग सामुदायिक जिम्मवारी की रोशनी लेकर भी चलते हैं किंतु उनके प्रयास शासकीय तंत्र के पुरुस्कारों का साधन तो बन जाते हैं,किंतु मिशन नहीं बन पाते। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले का एक गांव बघवार भी है जहां हर बच्चा शिक्षित है। सौ प्रतिशत साक्षरता।गांव के सभी लोग मिलकर सीवेज सिस्टम गांव में बनवा चुके हैं। मोदी जी के अभियान के कई साल पहले वे अपने गांव को ओडीएफ (खुले में शौच से मुक्त)कर चुके हैं। प्रदेश के सर्वाधिक वायो गैस प्लांट भी इसी गांव में हैं। जो गांव को कुकिंग गैस और बिजली की आपूर्ति करते हैं। डॉक्टर डेफिशिएंट मेडिकल कालेज बनाने वाले फैसलाकार और पढ़ाई से क्या होता है सोचने वाले उन दोनों युवाओं को बघवार जैसे गांव रोशनी दिखाते हैं मगर अंधेरे में ही रहने का फैसला कर चुका समाज उसे पहचाने तो सही?

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

आरक्षण पर विवाद नहीं, बस स्वस्थ संवाद की जरूरत

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों यानी एससी/एसटी में उपजाति-वर्गीकरण के मुद्दे को लेकर कई संगठन बुधवार को सड़कों पर उतर आए। उनकी चिंता को समझने की जरूरत है। अनुसूचित जातियों को अपनी स्थिति का बोध होना अच्छी बात है।

श्यौराज सिंह 'बेचैन', हिंदी विभागाध्यक्ष,दिल्ली विश्वविद्यालय

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर भी कहते थे, गुलाम को गुलामी का एहसास करा दो। बुद्ध कहा करते थे कि दुख का कारण जानो। बड़ा सवाल तो यही है कि इनमें कुछ उपजातियां विकास की मुख्यधारा में क्यों पिछड़ी हैं? विभाजन में समाधान ढूंढ़ने के माननीय सुप्रीम कोर्ट के सुझाव के बाद उपजाति-वर्गीकरण के मुद्दे को लेकर संवाद और भाईचारे पर अमल करना चाहिए। हमें डॉ आंबेडकर के संदेश का सार समझना चाहिए और किसी भी तनाव या टकराव से बचना चाहिए।

जिन उपजातियों की जनसंख्या के अनुपात से भी भागीदारी कमतर है, उनको बताया गया है कि अधिक संख्या वाले तुम्हारा हिस्सा खा रहे हैं, जबकि यह नतीजा है आरक्षित पदों के न भरे जाने का; आरक्षित वर्गों के लिए नए पद सृजित न करने का; निजी क्षेत्र में अमेरिका की तरह 'अफर्मेटिव डायवर्सिटी' (पिछड़े तबकों के लिए अवसर बढ़ाने वाली सकारात्मक विविधता) लागू नहीं किए जाने का; सरकारी शिक्षा को सीमित करने का और निजी क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दुर्लभ हो जाने का। इस संदर्भ में भारतीय विदेश सेवा से सेवानिवृत्त विवेक काटजू ने 15 दिसंबर, 2022 को संसद में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रशासनिक सेवाओं में उच्च पदों पर प्रतिनिधित्व के वस्तुपरक सुझाव दिए हैं। उसमें उन्होंने बताया है कि उच्च अधिकारियों के 322 पद हैं, जिनमें संयुक्त सचिव, सचिव और केंद्रीय अधीनस्थ स्टाफ और विभिन्न मंत्रालयों के विभागीय पद हैं। इनमें एससी और एसटी की भागीदारी क्रमश: चार और 4.9 फीसदी है। वे शीर्ष पदों पर हैं ही नहीं। यही कारण है कि संयुक्त सचिव, सचिव और निदेशकों के 45 पदों को लेटरल भर्ती को संभव नहीं होने दिया गया। इन भर्तियों में भी एससी/ एसटी/ ओबीसी आरक्षण का प्रश्न खड़ा हो गया है।

काटजू का सुझाव है, 'शीर्ष पदों पर प्रतिनिधित्व पूरा करने के लिए पदोन्नति में रोका गया आरक्षण दिया जाए। पात्रता और आयु कारक को लेकर प्रशासनिक सेवाओं में सकारात्मक सुधार करके प्रतिनिधित्व पूरा किया जा सकता है। सिविल सेवा में सामान्य भर्ती के लिए आयु-सीमा 21 से 32 साल है, जबकि एससी/एसटी के लिए यह 37 साल होता है। होता यह है कि वे अधिक आयु में ही सेवा में जा पाते हैं और शीर्ष पर पहुंचने से पहले ही सेवानिवृत्त हो जाते हैं। उन्हें सेवा काल कम मिलता है, इसलिए सिविल सेवा में उनका कार्यकाल बढ़ाना चाहिए।

विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए राजकीय सेवाओं को समावेशी बनाया जाना चाहिए, भागीदारी के अवसरों को न्यायसंगत करने के प्रति सकारात्मक दृष्टि अपनानी चाहिए। एससी/एसटी की आबादी बढ़ने के अनुसार सेवाओं में उनकी भागीदारी बढ़ाने के कारगर उपाय होने चाहिए। एससी/एसटी के हिस्से का बजट उनकी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आवास की बेहतरी पर ही व्यय होना चाहिए। उच्च शिक्षा में आज उनकी स्थिति क्या है, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगता है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में सौ साल में मुस्लिम सहित सभी उच्च जातियों के कुलपति बने, परंतु एससी/एसटी से कभी कोई नहीं आया। ऐसा ही हाल बीएचयू, एमएमयू का रहा है।

वस्तुस्थिति से अनभिज्ञ समाज के मानस में कैसी-कैसी धारणाएं पैठ जाती हैं, यह बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के लोक गीतों में सहज देखी जा सकती है। क्या एससी/एसटी से जुड़ी अत्याचार, उत्पीड़न, छुआछूत की आपराधिक घटनाएं किसी भी संवेदनशील नागरिक की आंखें खोलने को काफी नहीं हैं? सवाल यह भी है कि एससी वर्ग की कुछ उपजातियां आरक्षण में कम क्यों दिखती हैं? यह भ्रामक स्थिति साफ होनी ही चाहिए। अगर विभाजन हुआ, तो संसदीय आरक्षण का क्या होगा? वंचितों के शिक्षण-प्रशिक्षण की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान दीजिए। बैकलॉग खाली है, एनएफएस जारी है। विभाजन इनमें इजाफा ही करेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विनिर्माण क्षेत्र में बदलती भारत की तस्वीर

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज भी देश की लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास कर रही है और वह अपने रोजगार के लिए सामान्यत: कृषि क्षेत्र पर निर्भर है तथा देश की कुल अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान केवल 16-18 प्रतिशत के आसपास बना रहता है। अब यदि देश की 60 प्रतिशत आबादी देश के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16-18 प्रतिशत तक का योगदान दे पा रही है तो स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र में गरीबी तो बनी ही रहेगी। परंतु, यह स्थिति अब धीरे धीरे बदल रही है क्योंकि हाल ही के वर्षों में भारत के विनिर्माण क्षेत्र का योगदान देश के सकल घरेलू उत्पाद में बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों के नागरिक शहरी क्षेत्रों में स्थापित की जा रही विनिर्माण इकाइयों में रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने के उद्देश्य से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। विनिर्माण क्षेत्र में कई ऐसे नए क्षेत्र भी उभरकर सामने आए हैं जिन क्षेत्रों में भारत में उत्पादन बहुत कम मात्रा में होता रहा है। उदाहरण के लिए रक्षा क्षेत्र, दवा क्षेत्र, सेमी-कंडक्टर निर्माण क्षेत्र एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का क्षेत्र आदि का वर्णन यहां प्रमुख रूप से किया जा सकता है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में स्वदेशी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन की मात्रा 1.27 लाख करोड़ रुपए की रही है जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय 16.7 प्रतिशत अधिक है। यह भारत सरकार द्वारा देश में उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी नीतियों और सरकार के प्रयासों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है। वर्तमान में रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली इकाईयों में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा संयुक्त रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान उक्त वर्णित उत्पादन में सरकारी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 79.2 प्रतिशत का रहा है जबकि निजी क्षेत्र की कम्पनियों का योगदान 20.8 प्रतिशत का रहा है। हर्ष का विषय तो यह भी है कि रक्षा के क्षेत्र में भारत में निर्मित किए जा रहे उत्पादों की अन्य देशों में भारी मांग निर्मित होती जा रही है और इन उत्पादों का निर्यात भी लगातार बढ़ रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ रुपए के मूल्य का निर्यात भारत से विभिन्न देशों में किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 32.5 प्रतिशत अधिक है और यह भारत में रक्षा के क्षेत्र में हुए कुल उत्पादन का लगभग 20 प्रतिशत है। निर्यात में यह वृद्धि न केवल वैश्विक रक्षा बाजार में भारत के बढ़ते पदचिन्हों को दर्शाती है, बल्कि आत्मनिर्भरता और नवाचार के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। भारत में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही के समय में कई रणनीतिक पहल भी केंद्र सरकार द्वारा की गई है, जैसे, मजबूत नीतिगत ढांचे को विकसित करना, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देना, अनुसंधान एवं विकास कार्यों में पर्याप्त निवेश को बढ़ावा देना, आदि शामिल हैं। स्वदेशीकरण की नीति के अनुपालन का असर भी रक्षा के क्षेत्र में उत्पादन एवं निर्यात में हो रही भारी भरकम वृद्धि के रूप में दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में उपयोग होने वाले सैकड़ों उत्पादों के आयात पर रोक लगाकर इन उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने के निर्णय का असर भी अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों का उत्पादन भारत में ही करने की नीति को लागू करने से देश में न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा बल्कि देश में आर्थिक प्रगति, तकनीकी उन्नति एवं रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा।

रक्षा क्षेत्र की तरह ही, हाल ही के समय में भारत ने उत्पादन के कई नए क्षेत्रों में प्रवेश किया है। कुछ वर्ष पूर्व तक दवा निर्माण के क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाल API (ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडीयंट) नामक कच्चे माल का लगभग पूरे तौर पर चीन से आयात किया जाता था। परंतु, कोरोना महामारी के दौरान भारत को यह अहसास हुआ कि यदि चीन इस कच्चे माल का निर्यात भारत को करना कम कर दे अथवा बंद कर दे तो भारत में तो दवा उद्योग की इकाइयों में निर्माण कार्य ही ठप्प पड़ जाएगा। इसके बाद केंद्र सरकार ने API के उत्पादन को भारत में ही करने का फैसला लिया, आज स्थितियां पूर्णत: बदल गई है एवं API का निर्माण भारत में ही किया जाने लगा है। सम्भव है कि आगे आने वाले कुछ समय में API के निर्माण के क्षेत्र में भी भारत आत्मनिर्भरता हासिल कर लेगा। भारत आज API के उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया है एवं भारत की वैश्विक API उद्योग में 8 प्रतिशत की हिस्सेदारी बन गई है। आज भारत में 500 से अधिक प्रकार के विभिन्न API का उत्पादन किया जा रहा है। भारत में APIका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय दवा उद्योग में तेज गति से वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है और आज यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में 1.72 प्रतिशत का योगदान देने लगा है एवं दवा उद्योग आज देश में रोजगार के करोड़ों अवसर निर्मित कर रहा है। भारतीय दवा उद्योग के वर्ष 2024 के अंत तक 6,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2030 तक 13,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। वर्ष 2013-14 के बाद से वर्ष 2021-22 तक भारतीय दवा निर्यात में 103 प्रतिशत की वृद्धि अंकित की गई है। जेनेरिक दवाओं के वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत हो गई है, जिससे भारत को अब विश्व का फार्मेसी हब भी कहा जाने लगा है। केंद्र सरकार API के उत्पादन को भारत में बढ़ाने के उद्देश्य से एक समग्र एवं अनुकूल पारिस्थितिकीय तंत्र का निर्माण करने पर जोर दे रही है। वर्ष 2020 में केंद्र सरकार ने API के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के लिए 6,940 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की थी। 35 सक्रिय दवा सामग्री का विनिर्माण, जो API का लगभग 67 प्रतिशत है, जिसके लिए भारत की 90 प्रतिशत आयात पर निर्भरता है, भारत में PLI योजना के तहत प्रारम्भ किया जा चुका है। वर्ष 2022 के बाद से भारत के फार्मास्यूटिकल व्यवसाय में जबरदस्त बदलाव आया है एवं भारत अब वॉल्यूम उत्पादक से एक मूल्यवान आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। दवाई के क्षेत्र में भारत अब वैश्विक स्तर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को तैयार हो गया है।

लगभग 4 वर्ष पूर्व वैश्विक स्तर पर ऑटोमोबाइल विनिर्माण के क्षेत्र में सेमीकंडक्टर की उपलब्धतता में आई भारी कमी के चलते वाहनों के उत्पादन को भारी मात्रा में घटाना पड़ा था। परंतु, इसके बाद केंद्र सरकार ने यह बीड़ा उठाया था कि सेमीकंडक्टर के निर्माण के क्षेत्र में भारत को वैश्विक हब बनाया जाएगा। भारत में सेमीकंडक्टर का बाजार 2,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है जो वर्ष 2025 तक बढ़कर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने की सम्भावना है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं एवं सेमीकंडक्टर की विनिर्माण इकाईयां भारत में अधिक से अधिक संख्या में स्थापित हों इसके लिए भी केंद्र सरकार द्वारा गम्भीर प्रयास किए जा रहे हैं। भारत द्वारा सेमीकंडक्टर उत्पादन में वैश्विक नेतृत्व हासिल किया जा सकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो वैश्विक स्तर पर कई प्रौद्योगिकी फर्म से भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग लगाने के लिए सीधे ही चर्चा भी कर चुके हैं। काउंटरपोईंट रीसर्च और इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसीएशन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत का सेमीकंडक्टर बाजार वर्ष 2026 तक लगभग 6,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा जो वर्ष 2019 के बाजार से तीन गुना अधिक होगा।

इसी प्रकार, भारत में आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भी बहुत अधिक शोध चल रहा है ताकि आगे आने वाले समय में पूरे विश्व में भारत ही इस क्षेत्र में अपनी सर्वश्रेष्ठता सिद्ध कर सके। इस क्षेत्र में कार्य करने वाली अमेरिका की कुछ बहुराष्ट्रीय कम्पनियां तो बैंगलोर में आकर इस क्षेत्र के इंजीनियरों की भर्ती हेतु प्रयास भी करती दिखाई दे रही हैं। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आज विनिर्माण क्षेत्र के कई ऐसे क्षेत्रों में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है जिनमे कभी भारत का प्रभुत्व ही नहीं रहा है। इससे भारत में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं ग्रामीण क्षेत्रों पर नागरिकों का दबाव भी कम हो रहा है।

(ये लेखक के विचार हैं)

तीसरी पारी में बदली हुई तस्वीर

राज कुमार सिंह

लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर पंडित जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करने वाले नरेंद्र मोदी की सरकार और विपक्ष की भी तस्वीर बदली-बदली-सी नजर आ रही है। 4 जून को आए लोकसभा चुनाव के नतीजों से बहुमत के लिए राजग के सहयोगी दलों पर बढ़ी निर्भरता के बावजूद नरेंद्र मोदी ने इसे निरंतरता का जनादेश बताया था। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की 234 सीटों के मुकाबले राजग को मिली 293 सीटों के मद्देनजर वह गलत भी नहीं थे, मगर भाजपा के बहुमत से चूक जाने पर विपक्ष के तेवर इतने आक्रामक हो जाएंगे, इसका अनुमान शायद उन्हें भी न रहा होगा। सरकार में प्रमुख मंत्री वही हैं। विपक्ष में भी ज्यादातर नेता वही हैं, लेकिन समीकरण और संतुलन बदल गया दिखता है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल को छोड़ भी दें, तो बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह ग्यारहवां साल है। पिछले दस साल के प्रधानमंत्रित्व काल में यह कल्पना भी मुश्किल लगी कि विपक्ष उनके ऊपर किसी मुद्दे पर दबाव भी बना सकता है, लेकिन महज ढाई महीने की तीसरी पारी में चौथी बार सरकार को अपने फैसले से कदम वापस खींचने पड़े हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा में लेटरल एंट्री का विज्ञापन वापस लेना ऐसा ही चौथा कदम है।

ध्यान रहे कि इससे पहले लांग टर्म कैपिटल गेन संबंधी अपने बजटीय प्रावधान में सरकार को संशोधन करना पड़ा, तो वक्फ बोर्ड संबंधी विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजना पड़ा। चर्चित ब्रॉडकास्टर्स बिल भी फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल देना पड़ा है। मोदी सरकार के पिछले दोनों कार्यकाल के मद्देनजर देखें, तो ये कोई बहुत बड़े फैसले नहीं नजर आते। दूसरे कार्यकाल में तो विवादास्पद कृषि कानूनों से लेकर तीन तलाक और अनुच्छेद -370 की समाप्ति जैसे दूरगामी असर वाले निर्णय लिए गए थे। बेशक तीनों विवादास्पद कृषि कानून वापस लिए गए, लेकिन दिल्ली की सीमाओं पर साल भर से भी ज्यादा चले किसान आंदोलन के दबाव में, न कि विपक्ष के। सीएए जैसे मुद्दे पर भी विपक्ष के बजाय नागरिक संगठनों का विरोध ज्यादा मुखर नजर आया, पर वह भी बेअसर ही साबित हुआ। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल की बात करें, तो नोटबंदी और जीएसटी के फैसलों पर भी विपक्ष ने शोर तो मचाया, पर उसकी सुनी नहीं गई। ऐसा नहीं कहा जा सकता कि सरकार के सारे फैसले सही नहीं थे। कुछ फैसले ऐसे होते हैं, जिनके सही या गलत होने का आकलन इतिहास करता है। फिर भी, तीसरी पारी में सरकार और विपक्ष के तेवर परस्पर बदल गए लगते हैं, तो उसका कारण 18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम के अलावा दूसरा नहीं दिखता। पहले कार्यकाल में भाजपा को 282 सीटों के साथ अकेले दम बहुमत हासिल था, तो दूसरे कार्यकाल में उसकी सीटें बढ़कर 303 हो गईं। राज्यसभा में भी गणित अनुकूल था।

इसीलिए नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के उस परंपरागत एजेंडे पर भी बेहिचक आगे बढ़ते दिखे, जिसे अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे विराट व्यक्तित्व ने भी अपने प्रधानमंत्रित्व काल में सहयोगियों के समर्थन की खातिर 'शासन के एजेंडे' के नाम पर ठंडे बस्ते में डाल दिया था। 16वीं और 17वीं लोकसभा के मुकाबले 18वीं लोकसभा में निरंतरता के जनादेश के बावजूद यह समीकरण तो बदला ही है कि 240 सीटों पर सिमट गई भाजपा 272 के बहुमत के आंकड़े के लिए तेलुगु देशम पार्टी, जद-यू और लोजपा (रामविलास) जैसे सहयोगी दलों पर निर्भर है, जबकि 'इंडिया' गठबंधन की 234 सीटों के साथ लोकसभा में विपक्ष मजबूत स्थिति में है। नई लोकसभा के पहले और दूसरे सत्र में विपक्ष की तकरीरों और तेवरों से भी साफ है कि वह आक्रामकता के मामले में सत्ता पक्ष से आगे निकलने को बेताब है। शायद बदले समीकरण का परिणाम है कि पिछली लोकसभा में अडानी समूह की बाबत हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर जेपीसी की मांग अनसुनी कर देने वाली मोदी सरकार ने वक्फ बोर्ड संबंधी बिल को जेपीसी को भेजने में ज्यादा ना-नुकुर नहीं की।

वैसे वक्फबोर्ड और लेटरल एंट्री के मुद्दे पर भाजपा को सहयोगी दलों का समर्थन भी हासिल नहीं हुआ। वक्फबोर्ड के मुद्दे पर तो चिराग पासवान ही मुखर दिखे, पर लेटरल एंट्री के मुद्दे पर जद-यू के स्वर भी विरोध में सुनाई दिए। हालांकि, तेलुगु देशम पार्टी विशेषज्ञता के नाम पर लेटरल एंट्री के पक्ष में नजर आई। विरोधियों की चिंता सरकारी नौकरियों में आरक्षण और सामाजिक न्याय को लेकर मुखर हुई, लेकिन जद-यू नेता के सी त्यागी ने साफ कहा कि हम विपक्ष को ऐसा मुद्दा तश्तरी में रखकर नहीं दे सकते। उन्होंने यह भी आशंका जता दी कि इससे तो राहुल गांधी सामाजिक रूप से वंचितों के चैंपियन बन जाएंगे, हम विपक्ष के हाथों में ऐसा हथियार नहीं दे सकते। ध्यान रहे कि सबसे पहले राहुल गांधी ने ही आरक्षण समाप्त करने की साजिश बताते हुए संघ लोक सेवा आयोग के उस विज्ञापन का विरोध किया था, जिसके जरिये 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप-सचिव स्तर पर 45 लोगों की सीधी भर्ती होनी थी। ये पद मूलत: आईएएस के लिए हैं, जिनकी भर्ती संघ लोक सेवा आयोग एक तय प्रक्रिया से करता है और उसमें बाकायदा आरक्षण लागू रहता है। लेटरल एंट्री में सिर्फसाक्षात्कार के जरिये सीधी भर्ती होती है, जिसमें आरक्षण का प्रावधान नहीं होता है। इसीलिए यह मुद्दा भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ ही आरक्षण से भी जुड़ा था। आरक्षण सीधा वोट बैंक से जुड़ता है, इसलिए यह मुख्य मुद्दा बन गया।

दरअसल, लेटरल एंट्री के मुद्दे पर मोदी सरकार द्वारा कदम पीछे खींचने के मूल में विपक्ष व सहयोगियों के विरोध से ज्यादा आरक्षण के मुद्दे पर खुद को कठघरे में खड़ा किए जाने के राजनीतिक नुकसान की चिंता रही है। जाति गणना समेत तमाम मुद्दों के जरिये मोदी सरकार और भाजपा पर आरक्षण समाप्त करने और संविधान बदलने की साजिश के आरोप 18वीं लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए थे। चुनावी पंडितों के साथ ही संघ और भाजपा से जुड़े वरिष्ठ लोग भी मानते हैं कि इस बार अकेले दम बहुमत से चूक जाने में विपक्ष के प्रचार की बड़ी भूमिका रही। सही है कि लेटरल एंट्री से पहले भी विशेषज्ञ नौकरशाही में आते रहे हैं। दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग ने भी कुछ सिफारिशें की थीं और छठे वेतन आयोग ने भी, पर ऐसे संवेदनशील विषय को चर्चा से दूर रखने के राजनीतिक परिणाम गंभीर हो सकते हैं, यह सरकार को तीन दिन में ही समझ में आ गया और 17 अगस्त को जारी विज्ञापन 20 अगस्त को वापस ले लिया गया।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल

• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल

• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544

D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्वग्राही होगा भाजपा का सदस्यता अभियानः किरण सिंह देव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भाजपा के राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान प्रारंभ होने से पहले कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए कार्यशालाओं का दौर चल रहा है, इसी कड़ी में दुर्ग जिला संगठन की कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को हुआ जिसमें मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव शामिल हुए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि सदस्यता अभियान के माध्यम से भाजपा संगठन पर्व मनाकर अपना विस्तार कर रही है जिसमें पुराने सदस्य तो दोबारा सदस्य बनेंगे ही लेकिन उनके साथ–साथ नए लोगों को भी बड़ी संख्या में सदस्य बनाया जाएगा।

पार्टी का सदस्यता अभियान सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्वग्राही होनी चाहिए इसका मतलब यह है कि जिले का कोई भी हिस्सा सदस्यता अभियान से अछूता न रहे। हर गांव हर मोहल्ले में सदस्यता अभियान चलना चाहिए। जाति वर्ग और संप्रदाय के बंधन से परे हटकर समाज के हर तबके के बीच में सदस्यता अभियान चलना चाहिए। युवा, महिला, मजदूर, किसान, व्यापारी, गरीब, अमीर सहित हर वर्ग के लोग भाजपा के सदस्य बने यही लक्ष्य लेकर चलना है।

जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि दुर्ग जिले में सदस्यता अभियान को हमने एक चुनौती के रूप में लिया है और पिछली बार से अधिक सदस्य बनाकर हम अपना पिछला रिकॉर्ड ठीक उसी प्रकार से तोड़ेंगे जिस प्रकार से विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में विजय प्राप्त करके रिकॉर्ड तोड़ा था। दुर्ग जिले के भाजपा कार्यकर्ता पार्टी के प्रति अत्यंत संगठननिष्ठ हैं, पार्टी द्वारा दिए गए हर कार्य को सफलता के साथ संपन्न करने के लिए तत्पर रहते हैं। जिला सदस्यता अभियान के संयोजक राजेन्द्र कुमार पाध्ये ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सदस्यता अभियान की बारीकियों के बारे में कार्यकर्ताओं को समझाया और यह बताया कि सदस्यता अभियान 1 सितंबर से प्रारंभ होगा। ऑनलाइन माध्यम से सदस्यता लेने के लिए तीन प्रकार की व्यवस्था रखी गई है, पहला 8800002024 पर मिस कॉल द्वारा, दूसरा नमो ऐप और तीसरा क्यूआर कोड से प्राथमिक सदस्यता ली जा सकेगी। राजेन्द्र कुमार ने बताया कि सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 1 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पार्टी की सदस्यता दिलाएंगे तत्पश्चात 2 सितंबर को प्रदेश मुख्यालय रायपुर में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सदस्यता ग्रहण करेंगे और 3 सितंबर को प्रदेश के सभी जिलों में सदस्यता अभियान का उदघाटन कार्यक्रम होगा। राजेंद्र कुमार ने आगे बताया कि भाजपा की दो प्रकार की सदस्यता होगी पहले प्राथमिक सदस्यता और दूसरी सक्रिय सदस्यता। प्राथमिक सदस्यता अभियान दो चरणों में होगा पहले चरण 1 सितंबर से 25 सितंबर तक और दूसरा चरण 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा इसके पश्चात सक्रिय सदस्यता अभियान 15 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलेगा। सक्रिय सदस्य बनने के लिए पार्टी द्वारा कुछ आवश्यक शर्तें निर्धारित की गई है।

विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का गौरव : सांसद बघेल

सांसद विजय बघेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सबसे ज्यादा सदस्य बनाते हुए विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का गौरव हासिल किया। देश में सबसे ज्यादा सांसद, विधायक, जिला पंचायत सदस्य और पार्षद भाजपा से हैं। आज भाजपा का हर राज्य में दखल है। भाजपा आज राष्ट्रव्यापी और सर्वव्यापी पार्टी बन चुकी है। अब सबकी प्राथमिक सदस्यता समाप्त हो चुकी है और सबको नए सिरे से भाजपा की सदस्यता लेनी है। भारतीय जनता पार्टी का मूल आधार उसकी विचारधारा है, और यही विचारधारा भाजपा को एक अलग राजनीतिक दल के रूप में पहचान देती है, ऐसे राजनीतिक दल से जुड़ने के लिए बड़ी संख्या में लोग तैयार हैं अब क्योंकि संगठन पर्व आ गया है इसलिए ऐसे सभी लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए कार्यकर्ता जुटें।

क्लेक्टर चौधरी से मिला 5 वर्षीय गूगल बॉय रूद्र शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। क्लेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी से 5 वर्षीय गूगल बॉय रूद्र शर्मा ने आज मुलाकात की। रुद्र गयानगर दुर्ग में रहता है एवं उनकी माता का नाम पायल शर्मा है।

कलेक्टर चौधरी ने रूद्र से कई प्रश्न पूछे जिसका रूद्र ने फ्टाफ्ट गूगल की तरह उत्तर दिया। जिससे प्रभावित होकर कलेक्टर ने रूद्र को पौधे का गमला दिया। रूद्र को उसके उज्ज्वल भविष्य की बधाई दी और पढ़ाई से संबंधित टिप्स भी दिए। रूद्र ने भी कलेक्टर को सफ़्दर हासमी अदम गोंडवी की कविताएं सुनाई।

उल्लेखनीय है कि रुद्र केजी–1 का विद्यार्थी होने के बावजूद, उसकी स्मरण शक्ति इतनी तेज है कि वह एक बार पढ़ी हुई जानकारी को अच्छी तरह याद रख लेता है। उसे किसी भी विषय पर जानकारी चाहिए हो, वह उसे एक क्लिक में गूगल की तरह प्राप्त कर लेता है।

खास खबर

औद्योगिक नगर की सड़क का होगा डामरीकरण, विधायक गजेंद्र एवं महापौर ने किया भूमिपूजन

दुर्ग। औद्योगिक नगर उत्तर के रहवासियो को सुगम सड़क मिलेगा। कच्चा सड़क और जगह जगह गड्ढे होने से नागरिक परेशान थे जिसे संज्ञान लेते हुए विधायक गजेंद्र यादव की पहल से बोगदा पुल से आरोग्यम हॉस्पिटल तक 500 मीटर लंबी सड़क को डामरीकरण करने आज भूमिपूजन किये। भूमिपूजन पश्चात डामरीकरण करने निर्माण कार्य को तत्काल शुरू भी कराया गया। दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 17 औद्योगिक नगर उत्तर में धमधा नाका बोगदा पुल से आरोग्यम हॉस्पिटल तक सड़क काफ़ी ख़राब हो गई है, हॉस्पिटल की वजह लोगो का आना जाना लगा रहता है। सड़क पर जगह गड्ढे होने से वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी। क्षेत्र के नागरिकों व हॉस्पिटल में ईलाज के लिए आने वाले मरीज के वाहन तथा एम्बुलेंस को आने में समस्या हो रही थी जिसे देखते हुए सड़क बनाने राशि स्वीकृति कराये और आज महापौर धीरज बाकलीवाल एवं वार्ड पार्षद देवनारायण चंद्राकर, भास्कर तिवारी, डॉ दारुका, घनश्याम साहू, छबि साहू एवं वार्ड के नागरिकों की उपस्थिति में धमधा नाका बोगदा से आरोग्यम हॉस्पिटल तक 500 मीटर लंबा व 5 मीटर चौड़ी सड़क का डामरीकरण करने भूमिपूजन किया गया। इस दौरान उपस्थित वार्ड के नागरिकों ने विधायक एवं महापौर का आभार व्यक्त किये शीघ्र ही सड़क बन जाने के बाद हॉस्पिटल जाने मरीजों व औद्योगिक नगर के जनता को आने जाने में सहूलियत होगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई के द्वारा राष्ट्रीय सद्भावना दिवस मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग के राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई के द्वारा प्राष्ट्रीय सद्भावना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस. एन. झा के द्वारा विद्यार्थियों को शपथ दिलाया गया।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें जाति, संप्रदाय, क्षेत्र, धर्म तथा भाषा का भेदभाव किये बिना सभी भारतवासियों की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करना चाहिए। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी तरुण साहू एवं सहायक कार्यक्रम अधिकारी सुदेश कुमार साहू उपस्थित रहे एवं जिला संगठक प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान का मार्गदर्शन रहा। शपथ ग्रहण के पश्चात् राष्ट्रीय सेवा योजना की नियमित गतिविधि कक्षा लगाई गई, जिसमें परेड, दौड़ और राष्ट्रीय सेवा योजना का खेल कराया गया। इसके साथ सद्भावना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा सद्भावना दिवस के संबंध में एक दूसरे को जानकारी साझा कियें। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ स्वयंसेवक मोरध्वज, स्वयंसेवक मीनेश, द्रविण, दीपांकर, लोकदीप, मोहम्मद आदिल एवं अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

नंदिनी खदान में विभिन्न मशीनों का आधुनिकीकरण एवं अन्य सुविधाओं का विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के नंदिनी खदान में विभिन्न मशीनों का आधुनिकीकरण एवं अन्य सुविधाओं का विस्तार किया गयाद्य 22 अगस्त 2024 को मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (खदान) बिपिन कुमार गिरी एवं विशेष अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (फ्लक्स)सी. श्रीकांत ने नंदिनी खदान में विभिन्न विकास एवं आधुनिकीकरण के कार्यों का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बिपिन गिरी ने उपस्थित जनों को बधाई देते हुए नंदिनी खदान से उच्च गुणवत्ता के लाईम स्टोन को कम लागत के साथ निरंतर आपूर्ति करने हेतु प्रोत्साहित किया।

सर्वप्रथम कार्यपालक निदेशक (खदान) बिपिन कुमार गिरी द्वारा नंदिनी खदान चिकित्सालय में किये गए रिनोवेशन एवं सौंदर्यीकरण कार्य का उदघाटन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से 15 बिस्तर वाले नंदिनी खदान चिकित्सालय के पुरुष एवं महिला वार्ड, ओ.पी.डी., ड्रेसिंग कक्ष, विश्राम कक्ष समेत गैलरी का पूर्ण रिनोवेशन किया गया है। इसी कड़ी में नंदिनी खदान के प्रवेश द्वार के समीप कन्टिन्यूस एम्बिएन्ट एयर क्वालिटी स्टेशन का उद्घाटन किया गया। यह स्टेशन चैबीसों घंटे वातावरण में प्रवाहित प्रदूषण के कणों का मानिटरिंग कर रिकार्ड करता है जिसकी रिपोर्ट पर्यावरण प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड एवं अन्य शासकीय एजेंसियों को भी भेजी जाती है।

इसी कड़ी में बिपिन गिरी ने नंदिनी खदान हेतु लगभग 2.15 करोड़ की लागत से निर्मित अत्याधुनिक आई.डी.एम. ड्रिल मशीन को खदान बिरादरी को समर्पित किया। यह मशीन डी.डी.एम.एस. के सभी मानकों को पूरा करता है तथा यह मशीन पर्यावरण एवं आपरेटर के स्वास्थ्य के भी अनुकूल है।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (नंदिनी खदान) पी. एक्का, महाप्रबंधक (नंदिनी खदान) सुधाकर जामुलकर, महाप्रबंधक सह खदान प्रबंधक (नंदिनी खदान बिरेन्द्र कुमार सहित समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। उद्घाटन कार्यक्रम में रोहित वर्मा, उमेश मिश्रा, भागवत पटेल,आर.एस.कोरी सहित यूनियन के अन्य प्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहा।

जिंदगी न मिलेगी दोबारा कैंपेन के तहत स्कूलों में पहुंची चेंबर की टीम, स्टूडेंट्स को किया जागरुक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छतीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई द्वारा आयोजित जिंदगी न मिलेगी दोबारा कार्यक्रम लगातार स्कूल व कालेज में अपना जागरूक कार्यक्रम जारी रखे हुए है।

इस कार्यक्रम के तहत गुरुवार को सरस्वती विहार विद्यालय हाउसिंग बोर्ड में छात्र–छात्राओं को जागरुक किया गया। जिंदगी न मिलेगी दोबारा कार्यक्रम में आत्मनिर्भर व स्वालंबन पर भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र ने छात्रों को संदेश दिया कि रोजगार देने वाले बने कोई भी काम छोटा नही होता अपनी स्किल को पहचाने और राष्ट्र हित मे युवा शक्ति से नए भारत का निर्माण करे।

विकासशील भारत से विकसित भारत की यात्रा में युवा शक्ति अपना महत्वपूर्ण योगदान देगी ऐसी अपेक्षा है।युवा अपनी सोच को स्वरोजगार के रूप में उकेरे ताकि इस अमृतकाल में व्यवसाय के उच्च शिखर पर ले जाये आयात की निर्भरता से मुक्त हो निर्यात कर देश को आर्थिक मजबूती प्रदान कर पाए। इस मौके पर सुमन कनोजे व सीमा सदानी ने स्वास्थ्य के विषय पर संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य युवा ही देश के लिए योगदान दे सकता है। उन्होंने बताया कि संतुलित भोजन जिसमे 30 प्रतिशत प्रोटीन ,30 प्रतिशत फाइबर व 40 प्रतिशत में कार्ब व अन्य पोषक तत्व होने चाहिए व पर्याप्त नींद,व्यायाम से बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सकता है। उच्च शिक्षा के बाद किस दिशा में अपना कैरियर बनाये इस विषय पर सी ए राहुल बत्रा ने छात्रों को टिप्स दिए।

प्रश्नोत्तरी के माध्यम से छात्रों को पुरस्कृत किया गया और सभी को शपथ दिलाई गई। इसके बाद यह कार्यक्रम शकुंतला विद्यालय, इंदुआईटी, केएच मेमोरियल स्कूल में कार्यक्रम हुए।सभी विद्यालयों में छात्र छात्रों ने जागरूक कार्यक्रम का लाभ उठाया। कार्यक्रम का संचालन सुनील मिश्र ने किया।

जनस्वास्थ्य विभाग राजहरा माइंस क्षेत्र जाकर डेंगू की रोकथाम हेतु कर रहा प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र बरसात के मौसम में डेंगू, टायफाईड, मलेरिया, दस्त आदि मच्छर जनित रोंगों के रोकथाम के लिए पहले ही अपना अभियान शुरू कर चुका है। मानसून के दौरान शहर में मच्छर जनित विभिन्न बिमारियों के मरीजों की संख्या में वृद्धि होने की आशंका बनी रहती है। बीएसपी के राजहरा माइंस क्षेत्र में डेंगू के कई प्रकरण समाने आयें हैं और मानसून के इन्हीं खतरों के दृष्टिगत बालोद के सीएमएचओ डॉ महेश कुमार सूर्यवंशी ने बीएसपी के नगर सेवायें विभाग के जनस्वास्थ्य अनुभाग से इस सन्दर्भ में चर्चा की।

इसके पश्चात बीएसपी टाउनशिप में डेंगू अभियान को लीड करने वाली टीम ने राजहरा माइंस क्षेत्र में जाकर स्पॉट सर्वेक्षण किया और घरों का निरीक्षण किया। जहाँ सर्वेक्षण के बाद 11 ब्लाक में डेंगू के 18 प्रकरण सामने आयें। अब तक राजहरा माइंस क्षेत्र में डेंगू के 45 से भी अधिक प्रकरण आ चुके हैं, जिनका इलाज बीएसपी के जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र तथा अन्य अस्पतालों में किया जा रहा है।

बीएसपी के राजहरा माइंस क्षेत्र में डेंगू के इन प्रकरणों को देखते हुए, इसकी रोकथाम के लिए राज्य शासन, जिला प्रशासन बालोद, नगर पालिका, भिलाई इस्पात संयंत्र का नगर सेवायें (जनस्वास्थ्य अनुभाग) तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग तथा सीआईएसएफकी एक बैठक हुई। बैठक में बालोद के सीएमएचओ डॉ महेश कुमार सूर्यवंशी और राजहरा सीएमओ डॉ मनोज डहरवाल सहित राजहरा टाउनशिप और संयंत्र के अन्य अधिकारियों के साथ इस संदर्भ में चर्चा भी की गई। इस बैठक में निर्धारित निशानिर्देश के अनुसार, डेंगू की रोकथाम के लिए 16 लोगों की टीम बनाई गई, जिसमे 10 कर्मचारी राज्य शासन तथा 6 कर्मचारी बीएसपी के नगर सेवायें विभाग से हैं। इसके अतिरिक्त इस टीम में सीआईएसएफतथा अन्य सम्बंधित विभाग के कर्मचारी भी शामिल किये गये।

इन बीमारयों से सुरक्षा हेतु, शहरवासियों को जागरूक करते हुए राजहरा माइंस क्षेत्र के आवासों का सर्वेक्षण, निरीक्षण, दवाओं का वितरण, फॉगिंग तथा होम स्प्रे का छिड़काव किया गया। यह टीम घर घर सर्वेक्षण, निरीक्षण, ऑइल स्प्रे, होम स्प्रे, टेमिफास का नि:शुल्क वितरण कर निरंतर प्रयास कर रही है।

बीएसपी के मुख्य महाप्रबन्धक (टीएसडी एवं सीएसआर) उत्पल दत्ता के मार्गदर्शन में उनके दिशानिर्देशों से डेंगू रोकथाम हेतु यह कार्य किया जा रहा है। यह दल्ली राजहरा कीट नियंत्रण गतिविधि के दौरान बालोद के सीएमएचओ डॉ महेश कुमार सूर्यवंशी के साथ तथा महाप्रबन्धक (टीएसडी) के के यादव की अध्यक्षता में वरिष्ठ प्रबंधक (टीएसडी) ए के बंजारे, उप प्रबंधक (टीएसडी) मिलिंद बंसोड़ सहित राजहरा माइंस से महाप्रबंधक (दल्ली माइंस) बिपिन कुमार, महाप्रबंधक (राजहर/झारनदल्ली) माया राम, उप महाप्रबन्धक (राजहरा/नगर प्रशासन) मंगेश शेलकर, सहायक महाप्रबंधक (राजहरा टाउनशिप) रमेश कुमार हेडाऊ और उनकी टीम भी राजहरा माइंस में मौजूद थी।

नागरिकों से अपील: भिलाई इस्पात संयंत्र का जनस्वास्थ्य विभाग एवं राजहरा माइंस का टाउनशिप विभाग सभी ग्रामवासियों से अपील करता है कि मौसमी बीमारियाँ हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं, इसलिए इन बीमारियों के प्रति जागरूक रहते हुए सभी आवश्यक सावधानियों का अवश्य पालन करें।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Premier sales: 8959493000

A Leela Electronics: 9425507772

Reena Electronics: 9329132299

Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

कमिश्नर कावरे की पहलः रायपुर संभाग में 42 पदों पर जल्द होगी अनुकंपा नियुक्ति

रायपुर। रायपुर संभाग में शामिल सभी पांच जिलों में अनुकंपा नियुक्ति के लिए मिले 42 आवेदनों पर जल्द ही कार्रवाई पूरी होकर प्रभावितों को सरकारी नौकरी मिलने का रास्ता खुल गया है। संभागायुक्त महादेव कावरे ने संभाग के पांचों कलेक्टरों को इन प्रकरणों पर जल्द से जल्द कार्रवाई कर योग्य उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जारी करने के निर्देश दिए है। श्री कावरे ने यह निर्देश वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग स्तरीय कलेक्टर्स कांफ्रेंस में दिए। उन्होंने धमतरी, बलौदाबाजार, महासमुंद जिले के कलेक्टरों को उनके जिलों में लंबित 18 अनुकंपा नियुक्ति आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा।

रायपुर जिले में लंबित 24 आवेदनों के निराकरण के लिए संभागायुक्त ने सक्षम अधिकारी की अध्यक्षता में तत्काल समिति गठित कर कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए। बैठक में श्री कावरे ने सरकारी दफ्तरों में समय पर अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश भी कलेक्टरों को दिए। श्री कावरे ने कहा कि निर्धारित समय पर कर्मचारी शासकीय कार्यालय में पहुंचे। साथ ही कार्यालय भी निर्धारित समय में खुलें। उन्होंने सभी कार्यालय में अधिकारी व कर्मचारियों के नाम की पट्टिकाएं लगाने को भी कहा। कलेक्टर कांफ्रेंस में संभाग के पांचों जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ और अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

कलेक्टर्स कांफ्रेंस में श्री कावरे ने ग्रामीण क्षेत्रों में सॉलिड और लिक्विड कचरे के निष्पादन के बारे में विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कचरे को अलग-अलग करने के लिए ग्राम पंचायतों में बने मंणीकंचन केंद्र या शेड निर्माण की समीक्षा की तथा शेष ग्राम पंचायतों में भी जल्द से जल्द ऐसी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। श्री कावरे ने घर-घर से कचरा इकट्ठा करने के लिए ट्राइसायकिल, ई-रिक्शा सहित स्वच्छता दीदियों के लिए दस्ताने, डब्बे आदि व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित करने को कहा। संभागायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान बटाकंन से होने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए सभी जिला कलेक्टरों से सुझाव भी मांगे। उन्होंने राजस्व रिकॉर्डों में त्रुटि सुधार करने के लिए शिविर आयोजित करने, गलती सुधारने के बाद साथ-साथ नक्शा मिलान करने और रिकॉर्ड अपडेट करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में संभागायुक्त ने जीरो पॉवरटी अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण, श्रमिकों के राशन कार्ड बनाने सहित जल जीवन मिशन के तहत संभाग में हो रहे कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की और जरूरी निर्देश दिए।

नव-पदोन्नत और नव-नियुक्त न्यायाधीशों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रशिक्षण कार्यक्रमः न्याय, ईमानदारी व समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा बुधवार को नव-पदोन्नत जिला जज (प्रवेश स्तर) के ओरिएंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम और नव-नियुक्त सिविल जज वर्ग- दो (प्रवेश स्तर) के इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नव-नियुक्त और नव-पदोन्नत न्यायिक अधिकारियों को उनकी भूमिकाओं के लिए आवश्यक कौशल, ज्ञान और नैतिक आधार प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

उद्घाटन सत्र का प्रारंभ राष्ट्रगान और मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। अपने संबोधन में

मुख्य न्यायाधीश ने न्यायाधीशों की भूमिका की महत्वपूर्णता पर जोर दिया, जो विधि का शासन बनाए रखने तथा सभी नागरिकों को न्याय प्राप्त हो सुनिश्चित करने के संबंध में निभाई जाती है। उन्होंने नव-पदोन्नत जिला जजों और नव-नियुक्त सिविल जजों को उनकी नवीन भूमिकाओं के लिए बधाई दी तथा न्यायपालिका में उनके पद के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य न्यायाधिपति सिन्हा ने यह भी बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम इस प्रकार तैयार किया गया है जिससे न्यायाधीशों को कानूनों को व्यावहारिक रूप से लागू करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त हो। उन्होंने ईमानदारी और निष्ठा को न्यायाधीशों के महत्वपूर्ण गुणों के रूप में बताया, जिसे किसी के द्वारा सिखाया नहीं जा सकता बल्कि वह व्यक्तित्व में समाहित होता है। न्यायाधीश की कार्यशैली पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए और ये गुण उनके आदेश और निर्णयों में भी परिलक्षित होने चाहिए।

महिलाओं की न्यायपालिका में बढ़ती भागीदारी को देखते हुए मुख्य न्यायाधिपति ने विशेष रूप से महिला न्यायिक अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने व्यक्त किया कि न्यायपालिका में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी एक सकारात्मक और प्रगतिशील न्यायपालिका का सूचक है। यह तथ्य न्यायपालिका की समावेशिता, विविधता और लैंगिक समानता के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। मुख्य न्यायाधिपति ने प्रतिभागियों को तकनीकी दक्षता हासिल करने और कानून के लगातार बदलते पहलुओं के साथ चलने के लिए निरंतर शिक्षा की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

स्वागत और प्रारंभिक संबोधन में न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल ने न्यायाधीशों की नवीन भूमिकाओं के साथ जुड़े दायित्वों की गंभीरता पर बल दिया। उन्होंने नव-पदोन्नत और नव-नियुक्त न्यायाधीशों से हमेशा निष्पक्षता, ईमानदारी तथा सहानुभूति के साथ कर्तव्य निर्वहन करने पर जोर दिया। उनके द्वारा न्यायाधीशगण से यह भी अपेक्षा की गई कि वे निरंतर शिक्षा के मूल्यों को बनाये रखें। न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल ने न्यायिक आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता को उजागर किया और न्यायाधीशों को न्याय के सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को अडिग बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत, न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा, न्यायाधीश उपस्थित थे। कार्यक्रम में सीएसजेए के निदेशक सिराजुद्दीन कुरैशी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

सहकारिता क्षेत्र की दुर्दशा को सुधार कर फिर से प्रभावी बनाना है : किरण देव

समितियों को प्रदेशव्यापी स्वरूप देकर पैक्स का विस्तार किया जाएगा : कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी सहकारिता प्रकोष्ठ की एक प्रदेश स्तरीय बैठक बुधवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में हुई। बैठक में जिला संयोजक और प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में पंचायतों में पैक्स का विस्तार और कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मार्केटिंग सोसाइटियों के उन्नयन और मत्स्य नीति में संशोधन पर भी चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश सहकारिता और वन मंत्री केदार कश्यप, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय का मार्गदर्शन मिला।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि सहकारिता का विषय बहुत व्यापक है। सहकार से समग्र विकास की कल्पना प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने की है। इसमें सहकारिता को बहुउद्देश्यीय स्वरूप दिया जा रहा है। केन्द्रीय गृह व सहकारिता मंत्री श्री शाह ने देश में पैक्स के विस्तारीकरण पर बल दिया है। इस दृष्टि से सरकार के साथ ही सहकारिता प्रकोष्ठ का दायित्व ज्यादा गंभीर है। कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ में सहकारिता क्षेत्र की जो दुर्दशा की थी, उसे सुधारकर सहकारिता के क्षेत्र को पुनः प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य करना है। श्री देव ने मोर्चों के साथ-साथ प्रकोष्ठों की प्रभावी भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि जिलाध्यक्षों के साथ चर्चा करके पैक्स के विस्तारीकरण की रूपरेखा तय करें। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की उपज आदि बिन्दुओं पर ध्यान

देना होगा। इसके लिए जिला स्तर के सहकारिता प्रकोष्ठों को भी सक्रिय होना होगा। इस विषय को गंभीरता से लेकर योजनापूर्वक काम करना होगा। इसकी कार्ययोजना बनाने के लिए जिला व मंडल स्तर तक चर्चा की जाए। सहकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले सभी लोगों का मार्गदर्शन व सहयोग लेना चाहिए। हर पंचायत में वर्कआउट करना होगा और हर पंचायत में पहुंचना होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जिस आर्थिक सशक्तिकरण की परिकल्पना की है, वह इससे भली प्रकार साकार होगी।

बैठक को संबोधित करते हुए सहकारिता व वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि पूरे देश में पैक्स का विस्तार करना है, यह 13 अगस्त को दिल्ली में हुई बैठक में तय हुआ है, इसलिए प्रदेश में हमें पैक्स का विस्तार करके प्रदेश की सभी पंचायतों में सहकारिता का प्रभाव बढ़ाएं। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह के आगामी छत्तीसगढ़ प्रवास की चर्चा करते हुए श्री कश्यप ने कहा कि सन् 2047 तक देश में सरकार हो, इसलिए सहकारिता के क्षेत्र में ज्यादा ध्यान देना होगा। प्रदेश सरकार भी सहकारिता के क्षेत्र में नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए सतत चिंतनशील है।

सहकारिता व वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि अभी जितनी समितियां कार्यरत है, उसे प्रदेशव्यापी स्वरूप देना होगा। इसके लिए प्रदेश सरकार सहकारिता नीति पर भी विचार कर रही है। सहकारिता आंदोलन को विस्तार देने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ना है। आने वाले दिनों में जिन पंचायतों में पैक्स नहीं है, वहां पैक्स का गठन करके बहुउद्देश्यीय सहकारिता के लक्ष्य को प्राप्त करना है। श्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस की पिछली प्रदेश सरकार ने सहकारिता आंदोलन को क्षति पहुंचाने का कार्य किया, इसलिए हम सबको इस दिशा में ज्यादा प्रभावी भूमिका का निर्वहन करना है।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री व प्रकोष्ठ प्रभारी रामजी भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता आंदोलन के उन्नयन पर बल दिया। इस लिहाज से देशभर में पैक्स का विस्तार किया जाना है। इससे लाभार्थियों को सहकारिता के माध्यम से अधिकतम लाभ पहुंचायें। प्रदेश में लगभग 12 हजार पंचायतों तक हम सहकारिता को मजबूत बनाएंगे।

अपने प्रस्तावित भाषण में सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शशिकांत द्विवेदी ने कहा कि केन्द्र में जब से पृथक सहकारिता मंत्रालय का गठन हुआ है तब से देश के कोने कोने में सहकारी समितियों का जालबिछ रहा है। कृषि व ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सहकारिता एकमात्र ऐसा आंदोलन है जिसके माध्मय से समृध्दि को हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। केन्द्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय में सहकारिता क्षेत्र को जीवंत व सशक्त बनाने हेतु हमें ऐतिहासिक योजनाओं की शुरूआत की गई है जिनसे देश की सहकारी समितियों को अपने आर्थिक विकास की नई संभावनाएं मिल रही है। श्री द्विवेदी ने कहा कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा लैम्प्स, पैक्स के आय के स्त्रोत बढ़ाने के लिए 25 से अधिक नए क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर बनेंगे। लगभग सभी राज्य व केन्द्र शासित प्रदेश ने केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा निर्मित आदर्श उपविधियों को अपना लिया है। इस दौरान बैठक में जिलाध्यक्ष रायपुर शहर जयंती पटेल, रसिक परमार, प्रीतपाल बेलचंदन, यज्ञदत्त शर्मा, सचिन बघेल, देवेंद्र पांडे शिवनारायण पांडेय, सोमेश पांडेय, टिकेंद्र बनाफर, शिरीष तिवारी, प्रवीण दुबे सहित बड़ी संख्या में सहकारिता प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया मेकाहारा अस्पताल का औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल प्रदेश के सबसे बड़े अस्पतालों का औचक निरीक्षण करने निकले। शिकायतों में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ के समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने और सफाई व्यवस्था की कमी की बात सामने आई थी।

मंत्री जायसवाल ने सबसे पहले मेकाहारा अस्पताल का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सफाई में लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने कॉल मी सर्विस सफाई कंपनी को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। इसके बाद, स्वास्थ्य मंत्री दाऊ कल्याण सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, जिला अस्पताल पंडरी, और प्रसव हॉस्पिटल काली बाड़ी का भी निरीक्षण करने निकले। इस दौरान उन्होंने अस्पतालों में सफाई , सुरक्षा और मरीजों की सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री जायसवाल ने सफाई , सुरक्षा, किचन खाना, ड्यूटी टाइमिंग को लेकर जानकारी ली। वहीं हॉस्टल में सुविधा बढ़ाने के लिए PWD के अधिकारियों को निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने अस्पतालों के संबंधित अधिकारियों को अपने आवास पर बैठक के लिए बुलाया है। इस बैठक में मेकाहारा के अधीक्षक, मेडिकल कॉलेज के डीन, हॉस्टल अधीक्षक, PWD के अधिकारी, और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल होंगे, जहां मंत्री अधिकारियों की क्लास लेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अस्पताल में तैनात स्टाफ की सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है। हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जहां नहीं है वहां लगाने के निर्देश दे रहे हैं। अस्पतालों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए सेना से रिटायर्ड जवानों को तैनात किया जाएगा और बंदूकधारी सुरक्षाकर्मियों को भी नियुक्त किया जाएगा।

वास्तव में धर्मी वही जो पाप से डरता है : मुनिश्री

- **बच्चों के हित चिंतक बनों, सुख चिंतक नहीं**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में जारी चातुर्मासिक प्रवचन माला में मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने पाप भीरुता गुण को ग्रहण करने की शिक्षा दी। मुनिश्री ने कहा कि वास्तव में धर्मी वही है जो पाप से डरता है। व्यक्ति के जीवन में पाप का डर होना ही चाहिए। जो पाप से डरता नहीं है वह अधर्मी होता है। मुनिश्री ने कहा कि ऐसा कार्य मत करो जिसमें जीव हिंसा हो,त्रस्त जीव की विरागना हो। व्यक्ति को पाप का व्यापार नहीं करना चाहिए और कम से कम पाप के अंदर आपका व्यापार हो यह विचारना चाहिए। पाप भीरुता का गुण आपके जीवन से चला जाए तो धर्म कभी प्राप्त नहीं हो सकेगा। पाप का डर आपको बहुत से पाप करने से रोकता है। पाप का डर यदि आपके जीवन में नहीं होगा तो सारे के सारे गुण अपना प्रभाव नहीं दिखा पाएंगे। जीवन में पाप का डर अवश्य होना चाहिए। जीवन में पाप का डर आएगा तो पाप नहीं होगा।

मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा ने प्रवचनमाला में कहा कि वास्तव में तीर्थंकर परमात्मा ही हमारे हित चिंतक हैं। जो किसी का शॉर्ट टर्म का भला सोचे वह सुख चिंतक होता है और जो लॉन्ग टर्म का भला सोचे वह हित चिंतक होता है। आज माता-पिता अपने बच्चों को किस राह पर ले जा रहे हैं ? छोटी-छोटी

उम्र के बच्चों के हाथ में मोबाइल हैं। थोड़ा बड़ा होता है तो महंगे गैजेट्स,व्हीकल तरह-तरह की चीज दे देते हैं, थोड़ा बड़ा होता है तो अलग कमरा दे देते हैं और थोड़े और बड़े होने पर पर्सनल स्पेस दे देते हैं। यदि आपकी संतान के बारे में आपको पता नहीं कि क्या कर रही है तो आप अपने बच्चों के हित चिंतक नहीं हो। बच्चों के जीवन में धर्म का प्रवेश हो ,संस्कार आए ऐसा करें। हित बुद्धि से अपने बच्चों के बारे में सोचें। आज का समय ऐसा है कि मम्मी अपनी सहेलियों, किटी पार्टी, फैशन ,गॉसिप में मस्त है और डैडी बिजनेस में व्यस्त है। बच्चों के पास महंगे मोबाइल,गैजेट्स अन्य सामान है लेकिन माता-पिता का साथ नहीं,उनका समय नहीं है। आज बच्चे एजुकेशन के साथ तरह-तरह की एक्टिविटीज में तो रहते हैं लेकिन धर्म की आराधना, पूजा स्थान से दूर हो जाते हैं। माता-पिता को चाहिए कि फोर्स करके ही सही धर्म,आराधना करानी चाहिए। एक बार यदि समय निकल गया और बच्चा बड़ा हो गया तो वह नहीं सीख पाएगा।हमेशा हित बुद्धि से बच्चों के साथ व्यवहार करें,उन्हें धर्म से जोड़े।

विधायक ने 35 लाख के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

जनसुविधा विस्तार के लिए शीघ्र पूर्ण करवाने अधिकारियों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने नगर निगम जोन-3 के तहत शंकरनगर वार्ड क्रमांक-30 के क्षेत्र में जनहित में जनसुविधा विस्तार के लिए अधोसंरचना मद के अंतर्गत 35 लाख रुपए के निर्माणा कार्यों का भूमिपूजन किया।

स्वीकृत निर्माण कार्यों में नवीन गुप्ता वाली गली हनुमान मंदिर के सामने रोड़ निर्माण, सी टाईप से जनता टाईप मकान तक नाली निर्माण एवं कव्वर्ड करवाने कार्य, प्रमिला राजपूत के निवास से सुदीप किराना तक नाली निर्माण, कव्वर्ड कार्य, सीसी रोड निर्माण, गोरखापारा में विजय सोनी के मकान से शर्मा के मकान तक नाली निर्माण कार्य, डॉ. आषा नेवले के मकान के पास से होते हुए प्रतीक लुनावत के मकान के सामने से होते हुए बैंक ऑफ महाराष्ट्र के सामने तक सीसी रोड सडक निर्माण कार्य एवं अशोक शर्मा के निवास के सामने से बसंत साहू के निवास के सामने तक कांक्रीट सडक शामिल है। इस दौरान नगर निगम जोन 3 के जोन अध्यक्ष डॉ. प्रमोद साहू , शंकरनगर वार्ड पार्षद

सुमन राम प्रजापति, सामाजिक कार्यकर्ता सुनील परेतकर, जोन-3 जोन कमिश्नर जसदेव सिंह बाबरा सहित गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों की उपस्थित थे।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने 6 विभिन्न स्थानों पर शंकरनगर वार्ड में 35 लाख रुपए की लागत से नये विकास कार्य प्रारंभ करवाकर कार्यो को तत्काल स्थल पर प्रारंभ करके तय समय सीमा के भीतर सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्तापूर्ण तरीके से जनहित में जनसुविधा विस्तार हेतु शीघ्र पूर्ण करवाना सुनिश्चित के निर्देश नगर निगम जोन-3 जोन कमिश्नर जसदेव सिंह बाबरा को दिये। वार्ड पार्षद सुमनराम प्रजापति ने शंकरनगर वार्ड में नये विकास कार्य प्रारंभ करवाने पर सभी वार्डवासियों की ओर से रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा एवं जोन-3 जोन अध्यक्ष डॉ. प्रमोद साहू को हार्दिक धन्यवाद दिया।

रायपुर में चलेगी लाइट मेट्रो, मॉस्को में हुआ एमओयू

रायपुर। रायपुर महापौर एजाज ढेबर रूस के मॉस्को दौरे पर हैं। जहां उन्होंने लाइट मेट्रो की सुविधा को उपलब्ध कराए जाने को लेकर वहां की कंपनी से एमओयू किया है। इस लाइट मेट्रो की सुविधा से राजधानी में यातायात व्यवस्था सुगम होगी। इस सम्मेलन में 15 देशों के लोग उपस्थित थे। जिनके साथ विभिन्न विषयों को लेकर बातचीत की गई। जिन 100 शहरों का चयन किया गया है उसमें भारत से रायपुर का नाम भी शामिल है।

इस सम्मलेन में आर्थिक सामाजिक और पर्यावरण जैसे मुख्य तीन बिंदुओं पर जोर दिया गया। जल्द ही वहां की टीम राजधनी रायपुर निरीक्षण करने आएगी। उन्होंने ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और मास्को के महापौर के साथ रायपुर नगर निगम महापौर एजाज ढेबर ने एमओयू किया है। जिसमें 30 साल की अवधि के लिए 1068 यात्रियों की क्षमता वाली आधुनिक बैटरी से चलने वाली ट्रेनों की योजना बनाई गई है। वर्ष 2021, 2022 और 2023 में लगातार प्रयास के बाद अब जाकर यह एमओयू हुआ है।

सनी लियोनी की फिल्म कोटेशन गैंग की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

अभिनेत्री सनी लियोन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म कोटेशन गैंग को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसके लिए दर्शकों को और इंतजार करना पड़ेगा। कोटेशन गैंग की रिलीज डेट अब जुलाई से खिसकाकर आगे बढ़ा दी गई है। अब यह फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

सनी लियोनी की कोटेशन गैंग अब 30 अगस्त को हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, प्रियामणि और सारा अर्जुन जैसे कलाकार हैं। इसमें अशरफ मल्लिसरी, जया प्रकाश, अक्षय, प्रदीप कुमार, विष्णु वारियर, सोनल खिलवानी, कियारा, सतिंदर और शेरिन भी हैं। सनी ने इंस्टाग्राम पर नई रिलीज की तारीख की घोषणा की। साथ ही एक नया मोशन पोस्टर भी जारी किया, जिसमें फिल्म में उनका तीव्र अवतार दिखाया गया है।

अभिनेत्री ने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि कोटेशन गैंग 30 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आ रही है। एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। विवेक के कन्नन द्वारा निर्देशित कोटेशन गैंग को कश्मीर, मुंबई और चेन्नई में फिल्माया गया था। पिछले महीने, सनी ने फिल्म का पहला लुक जारी किया था, जिसमें वह चेकर्ड शर्ट और स्कर्ट में दिखाई दी थीं, जिसमें प्रिया मणि के किरदार के साथ ग्रामीण लुक में दिखाई दे रही थी।

सनी ने इस फिल्म के लिए ग्लैमरस अवतार को त्याग दिया है और खुद को एक बोल्ड ग्रामीण माफिया सदस्य की भूमिका में ढाल लिया है। कोटेशन गैंग में सनी एक हत्यारे और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग में माहिर एक क्रूर गिरोह के प्रमुख सदस्य की भूमिका निभाती नजर आएंगी। वर्तमान में, सनी युवा-आधारित रियलिटी शो स्प्लिट्सविला 15 की मेजबानी कर रही हैं और रंगीला, वीरमादेवी, कोका कोला, हेलेन और यूआई जैसी आगामी फिल्मों में भी दिखाई देंगी।

बार-बार खाना गर्म करने से उसका पोषण कम हो जाता है? जानें सच

खाना गर्म करना हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। अक्सर हम बना हुआ खाना दोबारा गर्म करके खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके बारे में एक आम धारणा है कि बार-बार खाना गर्म करने से उसका पोषण कम हो जाता है? यह सवाल कई लोगों के मन में आता है, तो चलिए, जानते हैं कि इस बारे में सच क्या है और आपको क्या सावधानियां बरतनी चाहिए।

क्या बार-बार खाना गर्म करने से पोषण कम होता है?

यह सच है कि जब हम खाना बार-बार गर्म करते हैं, तो कुछ पोषक तत्वों में कमी आ सकती है। खासकर विटामिन सी और बी जैसे विटामिन, जो पानी में घुलनशील होते हैं, ये गर्म करने पर कम हो सकते हैं। लेकिन यह भी ध्यान देने वाली बात है कि प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर जैसे मुख्य पोषक तत्व उतने प्रभावित नहीं होते।

खाना बार-बार गर्म करने के नुकसान

- स्वाद और बनावट में बदलाव: बार-बार गर्म करने से खाना सूख सकता है, और इसका स्वाद और बनावट बदल सकती है। इससे खाने का मजा कम हो सकता है।
- हेल्थ का खतरा: अगर खाना सही तरीके से स्टोर नहीं किया गया और बार-बार गर्म किया गया, तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं, जो हेल्थ के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
- खाना बार-बार गर्म करने के नुकसान: गुणवत्ता में कमी: बार-बार गर्म करने से खाना सूख सकता है और उसका स्वाद बदल सकता है। इससे खाने का मजा कम हो जाता है और उसकी गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है।
- बैक्टीरिया का खतरा: अगर खाना सही तरीके से स्टोर नहीं किया गया और बार-बार गर्म किया गया, तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं। ये बैक्टीरिया सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं और इससे पेट की बीमारियां भी हो सकती हैं।
- विटामिन्स की कमी: बार-बार खाना गर्म करने से कुछ विटामिन्स, खासकर पानी में घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन सी और बी, कम हो सकते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि खाना पूरी तरह से बेकार हो जाता है।

सही तरीके से गर्म करने के उपाय

- एक बार ही गर्म करें: कोशिश करें कि जितनी जरूरत हो, उतना ही खाना गर्म करें, ताकि बार-बार गर्म करने से बचा जा सके।
- सही तापमान पर स्टोर करें: बचे हुए खाने को तुरंत फ्रिज में स्टोर करें और फिर गर्म करते समय सुनिश्चित करें कि वह अच्छे से गर्म हो।
- धीरे-धीरे गर्म करें: खाना धीरे-धीरे और मध्यम आंच पर गर्म करें, ताकि उसके पोषक तत्व सुरक्षित रहें और स्वाद भी बरकरार रहे।

खतरों के खिलाड़ी 14 को अलविदा कह चुकीं अभिनेत्री अदिति शर्मा ने बताया अपना अनुभव

स्टंट आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 को अलविदा कह चुकीं अभिनेत्री अदिति शर्मा ने बताया कि अपने डर का सामना करने की यात्रा करने में वह जिस तरह से आगे बढ़ी हैं, उसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। शो के चौथे हफ्ते में अदिति के सफर का अंत एक बड़ी चुनौती के साथ हुआ। बिच्छुओं से जुड़े एक स्टंट में उनका सामना शालीन भनोट से हुआ।

अपनी पूरी कोशिशों के बावजूद अदिति शालीन से हार गईं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अदिति ने कहा, मैं खुद को खोजने के इस अविश्वसनीय सफर के लिए खतरों के खिलाड़ी 14 का शुक्रिया अदा करती हूं। अपने सबसे गहरे डर का सामना करने से लेकर खतरे का सामना करने तक, मैं उन तरीकों से आगे बढ़ी हूं जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने कहा, मैं इस यात्रा के हर पल, हर दोस्त के लिए आभारी हूं। इस अनुभव ने मुझे सिखाया है कि सच्चा साहस निडर होने के बारे में नहीं है, बल्कि डरे हुए होने पर भी खुद में बने रहने के बारे में है।

यह शो रोमानिया के बुखारेस्ट में फिल्माया गया है और इसकी मेजबानी रोहित शेट्टी कर रहे हैं। प्रतिभागियों की वर्तमान लाइनअप में आशीष मेहरोत्रा, अभिषेक कुमार, गशमीर महाजनी, करण वीर मेहरा, निमृत कौर अहलूवालिया, नियति फतनानी, शालीन भनोट और सुमोना चक्रवर्ती हैं। यह शो कलर्स पर प्रसारित होता है। नई दिल्ली की रहने वाली अदिति ने 2017 में गुरु रंधावा के साथ तारे नामक एक संगीत वीडियो से अभिनय की शुरुआत की थी। बाद में वह दो पंजाबी संगीत वीडियो नान और बेकड़ा और एक हरियाणवी संगीत वीडियो तू राजा की राज दुलारी में दिखाई दी थीं।

उन्होंने 2018 में जी टीवी के कलीरें में अरिजीत तनेजा के साथ मीरा ढींगरा कपूर के रूप में टेलीविजन पर शुरुआत की थी। अदिति ने ये जादू है जिन का में रोशनी चौधरी खान और रब से है दुआ में दुआ सिद्दीकी अख्तर की भूमिका निभाई, उन्हें नागिन 3 में एक कैमियो में भी देखा गया था। 27 वर्षीय अभिनेत्री ने वेब सीरीज क्रैश में काम किया है, जो ऑल्ट बालाजी और जी5 पर स्ट्रीम हो रही है। इसमें जैन इमाम, रोहन मेहरा, कुंज आनंद और अनुष्का सेन हैं। इसे निकिता धोंड ने लिखा और कुशाल जावेरी ने निर्देशित किया है। प्रीति गुप्ता इसकी सह-निर्देशक हैं। प्रोडक्शन हाउस बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ एकता कपूर ने इसका निर्माण किया है।

नरगिस फाखरी ने ऑफ शोल्डर गाउन में गिराई बिजली, सेक्सी अदा ने फैन्स को किया घायल

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी हमेशा अपनी एक्टिंग के जरिए लोगों के बीच छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ जाता है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसने फैन्स का दिल जीत लिया है। नरगिस ने चॉकलेट रंग का ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ है, जिसमें उनकी खूबसूरती देखते ही बनती है। इस गाउन के साथ हल्का मेकअप, खुले बाल और सिल्वर ब्रेसलेट ने उनके लुक को और भी आकर्षक बना दिया है। तस्वीर में नरगिस अपनी कातिलाना अदाओं से सबको घायल करती नजर आ रही हैं। उनकी इस सेक्सी पोज़ ने फैन्स के बीच हलचल मचा दी है, और कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफों की बाढ़ आ गई है।

नरगिस फाखरी की इस तस्वीर को देखकर साफ है कि उनका स्टाइल सेंस बेहद शानदार है और वे फैशन के मामले में हमेशा एक कदम आगे रहती हैं। उनकी इस नई तस्वीर ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि वे बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश एक्ट्रेसेस में से एक हैं। बी-टाउन की खूबसूरत और हॉट हसीनाओं में से एक नरगिस फाखरी किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं।

उन्होंने अपनी अदाकारी का जलवा फैंस के बीच इस कदर बिखेरा है कि लोगों की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं लेती हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

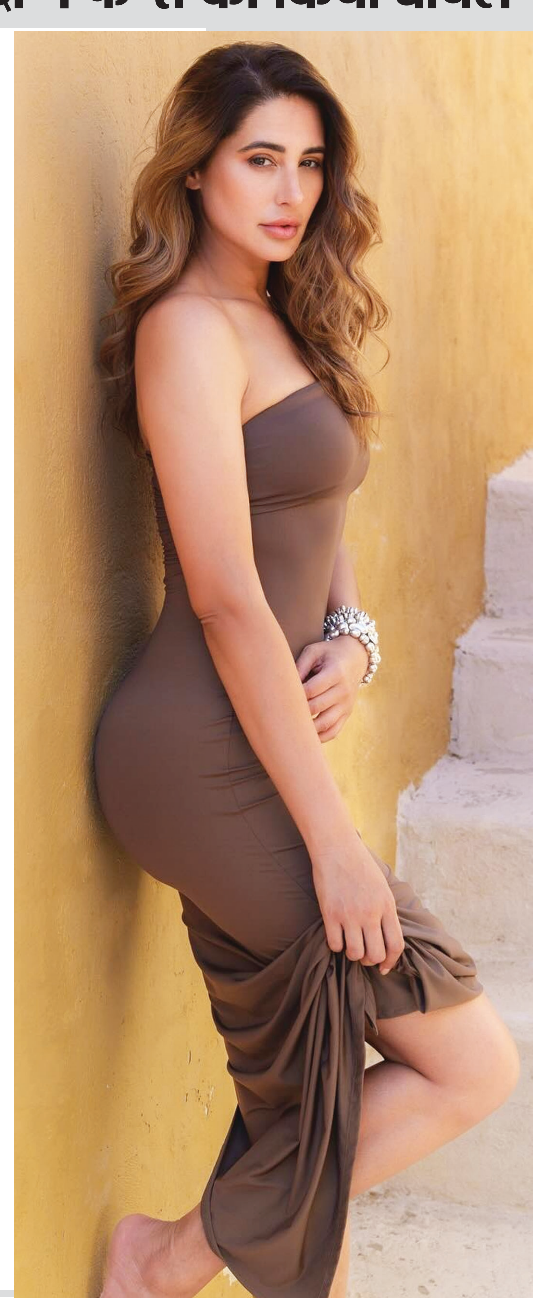

स्त्री-2 का कहर जारी, श्रद्धा कपूर की फिल्म पार किया 250 करोड़ का आंकड़ा

स्त्री 2 का कहर और सरकटे का आतंक बॉक्स ऑफिस पर अभी भी जारी है. स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 6 दिन पूरे कर लिए हैं. श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। यह फिल्म शुरुआत से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है।महज 6 दिन में इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।अब स्त्री 2 की कमाई के छठे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो कामकाजी दिन के मुताबिक बेहतरीन हैं।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, स्त्री 2 ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी मंगलवार को 25 करोड़ रुपये का

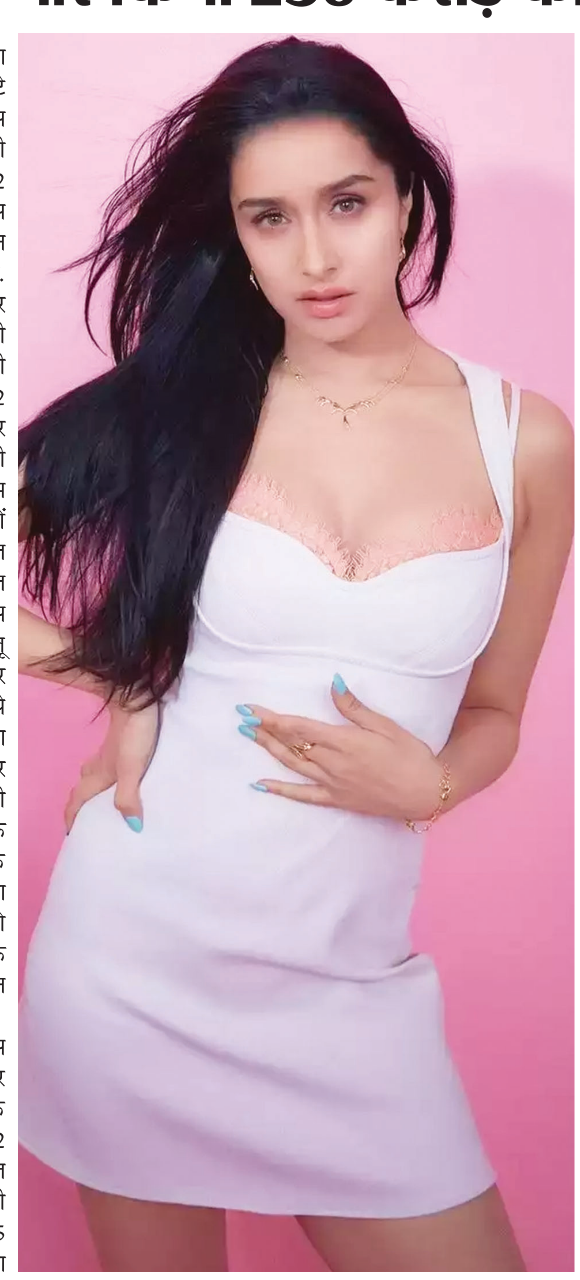

कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 254.55 करोड़ रुपये हो गया है।50 करोड़ रुपये की लागत में इस फिल्म ने 51.8 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी।श्रद्धा और राजकुमार के अलावा पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।

स्त्री 2 के निर्देशन की कमान अमर कौशिक ने संभाली है, दिनेश विजान और ज्योति देशपांडे इसके निर्माता हैं।फिल्म की कहानी निरेन भट्ट ने लिखी है। फिल्म में अक्षय कुमार और वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है।स्त्री 2 साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री की दूसरी किस्त है।लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 180.76 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

सुबह उठकर आपको सबसे पहले क्या करना चाहिए? जरूर जान लें ये बात

सुबह का समय हमारे दिन की शुरुआत करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। अगर हम इसे सही तरीके से शुरू करें, तो पूरा दिन ऊर्जा और ताजगी से भरपूर हो सकता है। लेकिन अक्सर लोग सुबह उठकर क्या करना चाहिए, इसे लेकर उलझन में रहते हैं। यहां हम आपको बताएंगे कि सुबह उठते ही सबसे पहले क्या करना चाहिए, ताकि आप पूरे दिन को बेहतर और हेल्दी बना सकें।

सकारात्मक सोच के साथ दिन की शुरुआत करें

सुबह उठते ही सबसे पहले अपने मन में सकारात्मक विचार लाएं। खुद से कहें कि आज का दिन अच्छा रहेगा और आप सभी कामों को अच्छी तरह से पूरा करेंगे। यह आदत आपके दिन की शुरुआत को बेहतर बनाएगी और आपको आत्मविश्वास से भर देगी।

गहरी सांसें लें और ध्यान करें

बिस्तर से उठने से पहले कुछ मिनट के लिए गहरी सांसें लें और ध्यान करें। इससे आपका मन शांत होता है और आप तनावमुक्त महसूस करते हैं। ध्यान से मानसिक शांति मिलती है और आप दिन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो जाते हैं।

एक गिलास पानी पिएं

रात भर सोने के बाद हमारा शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है, इसलिए सुबह उठते ही सबसे पहले एक गिलास पानी जरूर पिएं। पानी पीने से शरीर को एनर्जी मिलती है। पाचन क्रिया बेहतर होती है, और आपके शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं।

हल्की स्ट्रेचिंग करें

बिस्तर से उठने के बाद हल्की स्ट्रेचिंग या कुछ योगासन करें। इससे आपके शरीर की मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं और आप दिनभर ऊर्जावान महसूस करते हैं। स्ट्रेचिंग करने से शरीर में रक्त संचार भी बेहतर होता है।

चेहरा धोना

सुबह चेहरा धोना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे नींद की सुस्ती दूर हो जाती है और आप ताजगी महसूस करते हैं। ठंडे पानी से चेहरा धोने से त्वचा में जान आ जाती है और आप दिन की शुरुआत तरोताजा होकर कर सकते हैं। अगर चाहें तो माइल्ड फेसवॉश का इस्तेमाल भी कर सकते हैं, जो आपकी त्वचा को साफ और कोमल बनाए रखेगा। यह छोटी सी आदत आपके चेहरे को फ्रेश लुक देने के साथ-साथ आपको पूरे दिन ऊर्जा से भरपूर रखती है।

हल्का नाश्ता करें

सुबह का नाश्ता बहुत जरूरी है, क्योंकि यह आपके शरीर को दिनभर की ऊर्जा प्रदान करता है। हल्का और पौष्टिक नाश्ता करें, जैसे फल, ओट्स, या दही। इससे आपका शरीर हेल्दी रहता है और आप काम करने के लिए तैयार रहते हैं। इन आसान आदतों को अपने रोजमर्रा के रूटीन

में शामिल करें और देखें कि कैसे आपका दिन ऊर्जा से भर जाता है। जब आप सुबह की शुरुआत सही तरीके से करेंगे, तो पूरा दिन अच्छा और एनर्जेटिक महसूस होता है।

दिव्यांगजन समाज पर बोझ नहीं हैं: राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज यहां 'दिव्य कला शक्ति' कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमे दिव्यांगजनों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी, रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि एवं पूरे देश से आये दिव्यांग उद्यमी एवं कलाकार उपस्थित थे। राज्यपाल श्री डेका ने इस अवसर पर कहा कि दिव्यांगजन समाज पर बोझ नहीं हैं बल्कि राष्ट्र की प्रगति में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को सहानुभूति का पात्र नहीं समझना चाहिए। उनके प्रति समाज के नजरिये में बदलाव आना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में ''सबका साथ-सबका विकास'' के तहत समावेशी रूप से दिव्यांगजनों सहित सभी को शामिल किया गया है। दिव्यांगों को यह ऐहसास दिलाना होगा कि वे भी समाज के लिए महत्वपूर्ण अंग हैं।

उनके विकास के लिए सार्वजनिक स्थानों में सुलभ बुनियादी ढ़ांचा, सुगम्य परिवहन के साधनों की उपलब्धता, टेक्नोलॉजी तक आसान पहुंच बनाने की ओर अधिक ध्यान देना होगा। बच्चों के पाठ्यक्रम में भी ऐसी कहानियां आदि शामिल करना चाहिए, जिससे उनमे दिव्यांगजनों के प्रति करूणा की भावना जागृत हो, किन्तु उनसे वे सामान्य व्यक्ति की तरह व्यवहार करें।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों की प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने और उन्हें सशक्त करने ''दिव्यकला मेला और दिव्य कला शक्ति'' जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना एक अत्यंत सराहनीय कदम है। ऐसे आयोजनों से दिव्यांगजनों को यह महसूस होता है कि पूरा समाज उनके साथ खड़ा है और उनको प्रोत्साहन दे रहा है।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि भारत सरकार सहित छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा भी दिव्यांगजनों का जीवन-यापन सरल बनाने के लिए अनेक योजनाएं, संचालित की जा रही हैं। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण के साथ विभाग द्वारा कम ब्याज दर पर ऋण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को शिक्षित करने के साथ ही उन्हें रोजगार के अवसर देने, व्यवसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने, आवास आबंटन में प्राथमिकता देने और उनके परिवारों को विशेष सहायता देने से दिव्यांगजन भी समाज और राष्ट्र की प्रगति में बराबरी से योगदान दे सकेंगे।

इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांगजनों में अलग तरह की विशेषताएं होती है और वे अनेक क्षेत्रों में बखूबी अपना दायित्व निभा रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री विरेंद्र कुमार द्वारा रायपुर में दिव्यांग पार्क बनाये जाने की घोषणा करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि रायपुर में 17 से 22 अगस्त तक 16 राज्यों से आये हुए दिव्यांग शिल्पकार एवं उद्यमियों द्वारा अपने शिल्प की मार्केटिंग की जा रही है, जिसे छत्तीसगढ़ के लोगों ने अत्यंत सराहा है। कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, प्रबंध संचालक नवीन शाह, संचालक समाज कल्याण रोक्तिमा यादव सहित विभिन्न राज्यों से आये दिव्यांगजन उपस्थित थे।

वाराणसी में स्वच्छ नदियों पर नवाचारी स्मार्ट प्रयोगशाला परियोजना का अनावरण

नई दिल्ली(पीआईबी)। भारत और डेनमार्क की सरकारों के बीच हरित रणनीतिक साझेदारी से महत्वपूर्ण सहयोग को बढ़ावा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप वाराणसी में स्वच्छ नदियों पर स्मार्ट प्रयोगशाला (एसएलसीआर) की स्थापना हुई है। यह गठबंधन भारत सरकार (जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (आईआईटी-बीएचयू) और डेनमार्क सरकार के बीच एक अनूठी त्रिपक्षीय पहल है, जिसका उद्देश्य छोटी नदियों के संरक्षण और प्रबंधन में उत्कृष्टता लाना है।

एसएलसीआर का उद्देश्य दोनों देशों की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर सतत दृष्टिकोण का उपयोग करके वरुणा नदी का संरक्षण करना है। इसके उद्देश्यों में सरकारी निकायों, ज्ञान संस्थानों और स्थानीय समुदायों के लिए अभिज्ञान साझा करने और स्वच्छ नदी जल के लिए समाधान विकसित करने के लिए एक सहयोगी मंच बनाना भी शामिल है। इस पहल में आईआईटी-बीएचयू में एक हाइब्रिड लैब मॉडल और वरुणा नदी पर ऑन-फील्ड लिविंग लैब की स्था पना शामिल है, ताकि वास्तणविक रूप से परीक्षण और मानदंड समाधान किया जा सके। एसएलसीआर में एक सुदृढ़ संस्थागत और मूल्यांकन तंत्र बनाया गया है, ताकि इसके कामकाज में दृढ़ता और नदी प्रबंधन में उत्कृष्टता सुनिश्चित की जा सके।

इंडो-डेनमार्क संयुक्त संचालन समिति (जेएससी) एसएलसीआर के लिए सर्वोच्च मंच है जो रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करती है और प्रगति की समीक्षा करती है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी), केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी), आईआईटी-बीएचयू और डेनमार्क के शहरी क्षेत्र परामर्शदाता के सदस्यों वाली परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) परियोजना स्तर पर गुणवत्ता नियंत्रण की देखरेख करेगी।

जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में और एनएमसीजी तथा आईआईटी-बीएचयू की सह-अध्यक्षता में गठित बहु-हितधारक कार्य समूह (एमएसडब्ल्यूजी) केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच प्रयासों का समन्वय करेगा। एनएमसीजी और आईआईटी-बीएचयू के बीच स्थापित सचिवालय दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों, परियोजना विकास और ज्ञान प्रसार का प्रबंध करेगा। एसएलसीआर सचिवालय को जल शक्ति मंत्रालय से 16.80 करोड़ रुपये का प्रारंभिक वित्त पोषण और डेनमार्क से 5 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान मिलेगा, ताकि दीर्घकालिक स्थिरता और परियोजना विकास में सहायता प्रदान किया जा सके। महानिदेशक (एनएमसीजी) और प्रथम सचिव और रणनीतिक सहयोग के लिए टीम लीडर की संयुक्त अध्यक्षता वाली संयुक्त संचालन समिति (जेएससी) ने सहयोग के तहत शुरू की जाने वाली चार परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

हानिकारक गाजर घास को समूल नष्ट करने कृषकों को किया गया जागरुक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह का आयोजन 16 अगस्त से 22 अगस्त तक कृषि विज्ञान केन्द्र कांकेर एवं अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना खरपतवार प्रबंधन के तत्वावधान में किया गया। इसके तहत गाजरघास उन्मूलन हेतु ग्राम पुसवाड़ा एवं सिंगारभाट में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नितीश तिवारी ने गाजर घास के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि गाजरघास का प्रकोप पिछले कुछ वर्षों से सभी प्रकार की खाद्यान्न फसलों, सब्जियां एवं उद्यानों में भी बढ़ता जा रहा है। गाजरघास का पौधा 3-4 महीने में अपना जीवन चक्र पूरा कर लेता है तथा एक वर्ष में इसकी 3-4 पीढ़िया पूरी होती जाती है।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बीरबल साहू ने बताया कि वर्षा ऋतु में गाजरघास को फूल आने से पहले जड़ से उखाड़कर कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट बनाना चाहिए व अकृषित क्षेत्रों में शाकनाशी रसायन जैसे ग्लायफोसेट 1.5-2.0 प्रतिशत या मेट्रीब्यूजिन 0.3-0.5 प्रतिशत घोल का फूल आने के पहले छिड़काव करने से गाजरघास नष्ट हो जाती है। गाजरघास का एक पौधा 10,000 से 25,000 अत्यंत सूक्ष्म बीज पैदा कर सकता है एवं पूरे वर्ष भर उगता एवं फलता-फूलता रहता है।

उप संचालक कृषि श्री जितेन्द्र कोमरा ने कृषकों को विभागीय योजनाओं एवं समसमायिक जानकारी प्रदान की तथा गाजरघास को समूल नष्ट करने के लिए कृषकों को जागरूक होने आह्वान किया। वैज्ञानिक डॉ. सी. एल. ठाकुर ने गाजरघास के दुष्प्रभाव के बारे में बताया कि इसके सम्पर्क में आने से मनुष्यों में त्वचा संबंधी रोग जैसे एक्जिमा, एलर्जी, बुखार एवं दमा आदि बीमारियां होती हैं। अत्यधिक प्रभाव होने पर मनुष्य की मृत्यु तक हो जाती है तथा पशुओं के लिए भी यह खरपतवार अत्यधिक विषाक्त होता है। गाजरघास के तेजी से फैलने के कारण अन्य उपयोगी वनस्पतियां खत्म होने लगती है, जैव विविधता के लिये गाजरघास एक बहुत बड़ा खतरा बनता जा रही है। इसके कारण फसलों की उत्पादकता बहुत कम हो जाती है। कार्यक्रम में गाजरघास के जैविक नियंत्रण हेतु इसको खाने वाले कीट जायगोग्रामा एवं बायक्लोराइटा को ग्राम पुसवाड़ा में छोड़ा गया।

पीएम गतिशक्ति के तहत नेटवर्क योजना समूह की 77वीं बैठक छह बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया

नई दिल्ली(पीआईबी)। पीएम गतिशक्ति पहल के तहत नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) की 77वीं बैठक उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अतिरिक्त सचिव राजीव सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में नई दिल्ली में बुलाई गई, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा।

विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में रेल मंत्रालय, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय , नागरिक उड्डयन मंत्रालय और बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय की छह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) में उल्लिखित एकीकृत योजना के सिद्धांतों के साथ उनके संरेखण के लिए मूल्यांकन किया गया। इन परियोजनाओं का मूल्यांकन और प्रत्याशित प्रभाव नीचे विस्तार से दिए गए हैं।

हजीरा - गोथंगम नई रेल लाइन, गुजरात में गोथंगम को हजीरा से जोड़ने वाली 36.35 किलोमीटर ब्रॉड गेज डबल लाइन का निर्माण शामिल है इस परियोजना से क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने, सड़क यातायात में कमी आने और माल को सड़क से रेल पर स्थानांतरित करके पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने की उम्मीद है।

बिलासीपारा - गुवाहाटी रोड, असम, उन्नयन में चिरकुटा (बिलासीपारा) और तुलुंगिया के बीच ह॥-17 के 44.56 किलोमीटर हिस्से को चार लेन में विस्तारित करना शामिल है। यह परियोजना क्षेत्रीय संपर्क में सुधार करेगी, असम को पश्चिम बंगाल, मेघालय और जोगीघोपा, रूपसी और गुवाहाटी हवाई अड्डों पर मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे से जोड़ेगी। इससे आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि, यात्रा समय में कमी और क्षेत्रीय भीड़भाड़ को कम करने की उम्मीद है।

स्तन कैंसर के लक्षण: आपका शरीर आपको क्या बताने की कोशिश कर रहा है और अधिक जानें महाराष्ट्र के नासिक में 109.97 एकड़ में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी), नासिक का विकास सड़क और रेल परिवहन को एकीकृत करने के लिए किया गया है। इस ग्रीनफील्ड परियोजना का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करना, लागत कम करना और कार्गो समेकन, भंडारण और सीमा शुल्क निकासी की सुविधाओं के साथ क्षेत्रीय उद्योगों का समर्थन करना है। यह 2029 से सालाना 3.11 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो को संभालने का अनुमान है। बिहार के पटना में बिहटा हवाई अड्डे पर नया सिविल एन्क्लेव, पटना में जय प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 28 किमी दूर स्थित बिहटा एयरफील्ड में एक नया सिविल एन्क्लेव विकसित करने पर केंद्रित है । नया टर्मिनल सालाना 5 मिलियन यात्रियों को समायोजित करेगा और इसमें ए-321

विमानों के लिए 10-बे एप्रन शामिल रणनीतिक रूप से चिकन नेक क्षेत्र में स्थित, बागडोगरा हवाई अड्डा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है, और यह विस्तार बढ़ती कनेक्टिविटी मांगों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है। अंडमान और निकोबार के गैलाथिया खाड़ी में अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट का लक्ष्य ग्रेट निकोबार द्वीप पर गैलाथिया खाड़ी में एक अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट विकसित करना है। 44,313 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ, बंदरगाह भारतीय बंदरगाहों और पड़ोसी देशों से ट्रांसशिपमेंट कार्गो को संभालने के लिए खाड़ी के रणनीतिक स्थान और गहरे पानी का लाभ उठाएगा, जिससे भारत की समुद्री व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ उत्पन्न होंगे।

एनपीजी ने इन परियोजनाओं का मूल्यांकन पीएम गतिशक्ति सिद्धांतों के आधार पर किया, जिसमें एकीकृत मल्टीमॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, लास्ट-माइल कनेक्टिविटी, इंटरमॉडल कनेक्टिविटी और सिंक्रोनाइज्ड प्रोजेक्ट कार्यान्वयन शामिल हैं। इन पहलों से राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने, विभिन्न परिवहन साधनों को एकीकृत करने और संबंधित क्षेत्रों में जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाते हुए महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक लाभ प्रदान करने की उम्मीद है।

जिले के उद्यमियों को सिंगल विण्डों सिस्टम 2.0 के संबंध में दी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, कोरबा में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोरबा द्वारा आयोजित जिले के उद्यमियों/उद्योगपतियों हेतु 'सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 का एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुआ।

कार्यशाला के प्रारंभ में टी आर कश्यप, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र कोरबा द्वारा कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों/ उद्योगपतियों/स्टार्टअप/उद्यमियों को वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा शुभारंभ किये गये सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के माध्यम से जुड़े हुये 16 विभागों वाणिज्य एवं उद्योग विभाग श्रम विभाग, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मण्डल, नगर प्रशासन एवं विकास विभाग, ग्राम तथा नगर निवेश, छ.ग. राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित लि., छ.ग.राज्य औद्योगिक विकास निगम, सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी समितियां वाणिज्यिक आबकारी मुख्य विद्युत निरीक्षणालय, भू-अभिलेख छत्तीसगढ़ नियंत्रक विधिक माप विज्ञान, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं जल संसाधन विभाग, बायलर निरीक्षणालय, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना विभाग के 90 से अधिक सेवाओं को सिंगल विंडों सिस्टम 2.0 के माध्यम से किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र श्रीमती नेहा कंवर ने सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के संबंध में पावर पॉईंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दी। इस दौरान उद्योगपतियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर प्रदान करने के साथ ही सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 के उपयोग के संबंध में उत्पन्न होने वाले शंकाओं का समाधान भी कार्यशाला में किया गया। कार्यशाला में राजेश आदिले सहायक श्रमायुक्त श्रम विभाग,राजेश सोनी ग्राम तथा नगर निवेश, प्रवीण सिंह छ.ग पर्यावरण संतान विभाग, जी. आर. जांगडे कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग एवं अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी/प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुरली माखिजा, संतोष खरे, साकेत बुधिया, मुक्तेश राठौर, विनय अग्रवाल निसर्स विश्वकर्मा इण्डस्ट्रीज, नारायन प्रसाद अग्रवाल, श्री अखिल अग्रवाल सांता सिल्ला एवं जिले के अन्य उद्योगपति, आईटीआई में अध्ययनरत अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं, स्टार्टअप से पंजीकृत प्रतिनिधि, बिहान योजना से जुड़ी स्वसहायता समूह की महिला उद्यमी सहित अन्य काफी संख्या में उपस्थित रहे।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
K. Satyanarayan
Mo.9300771925, 0788-4030919

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

रायगढ़ गैंगरेप पर बोले मंत्री ओपी चौधरी- फास्ट ट्रैक कोर्ट से दिलाएंगे सजा, यह ध्यान दें कि पीड़िता की पहचान न हो

रायगढ़ भाजपा कार्यालय में की मीडिया से चर्चा, दोषियों को दिलाएंगे कड़ी सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले के पुसौर थाना क्षेत्र में रक्षाबंधन की शाम मेला देखने निकली महिला से गैंगरेप के मामले में वित्त मंत्री ओपी चौधरी का बयान आया है। वित्त मंत्री चौधरी ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि दोषियों को फास्टट्रैक कोर्ट की मदद से सजा दिलाने की पहल करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दोषियों को कड़ी सजा मिले इसका प्रयास किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें यह भी ध्यान देना है कि पीड़िता की पहचान उजागर न हो।

वित्तमंत्री ओपी चौधरी गुरुवार को रायगढ़ भाजपा कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि महिला से गैंगरेप की घटना अत्यंत दुर्भाग्य जनक है। इस पूरे मामले में हम विशेष रूप से ध्यान रख रहे हैं। पीड़िता की पहचान किसी भी स्थिति में सार्वजनिक न हो, ये कानूनी रूप से और नैतिकता व पीड़िता की भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिये पीड़िता से सीधा मिलना न करके प्रशासन, पुलिस के माध्यम व फोन के माध्यम से बात करके पूरे मामले पर कार्रवाई सुनिश्चित करा रहे हैं।

पीड़िता को 8 लाख की मदद

वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि इस घटना के 24 घंटे बाद ही पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं सूचना मिली है कि एक नाबालिग आरोपी की ओडिशा में करंट की चपेट में आने से मौत हो गई है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि पीडिता को सरकार की ओर से अलग अलग माध्यमों से लगभग 8 लाख रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। ओपी चौधरी ने कांग्रेस द्वारा गठित महिला विधायकों की टीम से भी निवेदन किया है कि इसमें पीड़िता की पहचान किसी भी स्थिति में सार्वजनिक न हो। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए वे कांग्रेस के महिला विधायक अपनी रिपोर्ट बनाएं।

करंट की चपेट में आने से गैंगरेप में शामिल एक नाबालिग आरोपी की मौत

रायगढ़। रायगढ़ गैंगरेप के मामले में पुलिस ने अब तक एक नाबालिग सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भे दिया है। वहीं इस जघन्य रेपकांड में शामिल एक नाबालिग की ओड़िशा में मौत हो गई है। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह ओड़िशा में अपने मामा के घर पर छिपा हुआ था। बीती रात व खेत में लगे करंट की चपेट में आ गया।

रायगढ़ एसपी दिव्यांग पटेल ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पुसौर थाना क्षेत्र में गैंगरेप के मामले में पुलिस अब तक एक नाबालिग सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी को न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा जा चुका है। इस मामले में एक नाबालिग आरोपी अपने मामा घर गांव सराईपाली, थाना रेंगालपाली, जिला झारसुगडा ओड़िशा में छिपा हुआ था। बीती रात जंगली जानवर के शिकार के लिये खेत में बिछाये गए विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई है। फिलहाल इस मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बता दें रक्षाबंधन की शाम को पुसौर थाना क्षेत्र की एक महिला मेले देखने गई थी। इस दौरान कुछ युवकों ने उसका रास्ता रोका और उसे जबरन सुनसान जगह ले गए। सभी ने महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया और फरार हो गए। किसी तरह महिला अपने घर पहुंची और दूसरे दिन मंगलवार को थाने में रिपोर्ट लिखवाई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल आरोपियों की पतासाजी की और अब तक इस मामले में एक नाबालिग सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका हैं। वहीं बीती रात एक नाबालिग आरोपी खेत में बिछाए करंट की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गई।

खास खबर

अंतिम संस्कार पर आए युवक के पेट मे घोंपा चाकूः रायपुर में नाबालिग ने दोस्त संग मारा

रायपुर। रायपुर में अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे युवक की पेट पर चाकू घोंप दिया। युवक भिलाई से रिश्तेदार के घर गोगांव पहुंचा था। इस बीच दो लोगों की आपस में लड़ाई हो गई। बीच-बचाव करने गया तो आरोपियों ने हमला कर दिया। हालांकि गुढ़ियारी पुलिस ने नाबालिग और एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

छत्रपाल ठाकुर ने गुढ़ियारी थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस को बताया कि वह पावर हाऊस भिलाई में रहता है। मजदूरी का काम करता है। 18 अगस्त को वह गोगांव में अपने रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में आया था। रात करीब साढ़े 10 बजे वह अपने चाचा दुर्गेश ध्रुव के साथ बाजार चौक में बैठा था। इस दौरान 2 युवक आपस में लड़ रहे थे।

बीच-बचाव करने के दौरान हमला

छत्रपाल ने लड़ाई शांत करवाने के लिए बीच-बचाव किया तो नाबालिग युवक ने चाकू से हमला कर दिया। इस दौरान छत्रपाल का रिश्तेदार अमित कुमार और दीपेश आए तो नाबालिग और उसके दोस्त उदय डांडे ने उन पर भी चाकू से वार कर दिया। घटना में अमित बुरी तरह घायल हो गया। अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में गुढ़ियारी पुलिस ने नाबालिग और उसके दोस्त उदय डांडे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों पर जानलेवा हमले के तहत एक्शन लिया गया है।

छोटे भाई ने बड़े पर किया हथियार से वार, अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

बलौदाबाजार। छोटे भाई ने मामूली विवाद के बाद बड़े भाई पर धारदार ?हथियार से वार कर दिया। बाद में बड़े भाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। 20 अगस्त को गिधौरी बस स्टैंड के आगे मकान पर बडे भाई मोहन पटेल पिता आयोध्या उर्फरहसु पटेल अपने घर में सोए हुए थे उसी समय छोटे भाई संतोष पटेल ने अपने बडे भाई के सिर पर किसी औजार से वार कर घायल कर दिया था। परिजनों को घटना की जानकारी हुई और घायल युवक को आननफानन में एम्बुलेंस बुलाकर कसडोल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया। जहां से बलौदाबाजार रिफर कर दिया गया। तत्काल रायपुर रिफर कर दिया गया। बुधवार रात को रायपुर अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 18अगस्त को मोहन पटेल एवं छोटे भाई संतोष के बीच मारपीट और विवाद हो गया था।

छोटे भाई संतोष का पिछले माह तबीयत खराब थी और लाखों रुपए इलाज में खर्च हो गया था छोटे भाई संतोष ने अपने मां को भी लडाई झगड़ा कर भगा दिया था। बडें भाई मोहन उसे शराब पीने से मना कर रहा था ।उसी बात को लेकर छोटे भाई से विवाद हो गया था। इसी दौरान छोटे ने बड़े पर वार ?कर दिया। गिधौरी पुलिस द्वारा आरोपी संतोष पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर दुर्ग के युवक से 15 लाख की ठगी, फंडिंग टिप्स सीखने के चक्कर में गवाएं रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इन दिनों शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी के मामले लगातार बढ़ने लगे हैं। एक दिन पहले बीएसपी कर्मचारी 11 लाख की ठगी का शिकार हुआ वहीं अब दुर्ग के मोहन नगर थाना क्षेत्र में एक युवक 15 लाख की ठगी का शिकार हुआ। साकेत कॉलोनी दुर्ग निवासी युवक शेयर ट्रेडिंग टिप्स सीखने के चक्कर में अपने रुपए गवां बैठा। शातिरों ने ऐसा जाल बुना कि वह उसमें फंसता ही चला गया है। फिलहाल इस मामले में मोहन नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहन नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार साकेत कॉलोनी दुर्ग निवासी सौरभ स्वर्णकार (35) ने ऑनलाइन विज्ञापन देखने के बाद शेयर ट्रेडिंग की जानकारी लेने टेलीग्राम एप के जरिए कुछ

लोगों से जरिए संपर्क किया। 19 दिसंबर को एक लिंक के द्वारा एप डाउनलोड करवाया गया और उसकी केवाईसी के लिए आधार व पैन कार्ड की फोटो भी अपलोड करवाया गया। इसके बाद इंस्टीट्यूशनल ट्रेडिंग अकाउंट खुल गया। जिसके द्वारा सौरभ को वाट्सएस ग्रुप में भी जोड़ा गया।

शातिरों ने सौरभ को बताया कि वाट्सएस ग्रुप के माध्यम से कौन से शेयर खरीदी-बिक्री करनी चाहिए, इसकी जानकारी दी जाने लगी। सौरभ द्वारा खरीदे एवं बेचे गए शेयर एवं उसका लाभ सब कुछ उनके द्वारा डाउनलोड कराए एप में दिखाई पड़ता था। इस क्रम में 19 जनवरी 2024 को एक आईपीओ लांच होने की बात कही गई और इसमें निवेश से अच्छे लाभ का झांसा दिया गया। सौरभ से शातिरों ने 100 लाट के लिए अप्लाई करने कहा गया। लिस्टिंग के दिन उनके एप के द्वारा सौरभ को 100 लाट लोकेट होने की बात कहकर एकमुश्त 13 लाख रुपए आरटीजीएस कराया गया। इसके बाद कुछ दिन तो सौरभ को ऐप में उसके द्वारा जमा की गई राशि दिखाई दे रही थी और उसके बाद दिखना बंद हो गया। सौरभ ने जब इसकी जानकारी चाही तो उसे कोई जवाब नहीं मिला। इस ऐप के माध्यम से सौरभ ने कुल 14 लाख 65 हजार रुपए का निवेश किया जो कि उससे बहुत की चालाकी के साथ ठगी की गई। इस मामले में मोहन नगर पुलिस द्वारा अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है।

हादसाः खून से लथपथ सड़क पर पड़ा था युवक स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने पहुंचाया अस्पताल

कोरबा के पाली थाना क्षेत्र की घटना, इलाज के दौरान मौत

कोरबा (ए.)। पाली थाना अंतर्गत एनएच मुख्य मार्ग पाली फॉरेस्ट रेस्ट हाउस के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मारकर फरार हो गया। बाइक सवार खून से लथपथ सड़क पर पड़ा हुआ था। इस दौरान छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का काफिला सड़क से गुजर रहा था। स्वास्थ्य मंत्री ने घायल युवक की स्थिति को देख काफिला रुकवाया और 112 को सूचना दी। उन्होंने स्वयं अस्पताल जाकर घायल युवक को वहां पहुंचाया। इलाज के बावजूद युवक की मौत हो गई।

मृतक की पहचान राम अवतार जगत पोलमी के रूप में की गई है, जो पाली स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में लिपिक के पद पर काम करता था। बुधवार को किसान ड्यूटी समाप्त करने के बाद वह अपनी बेटी को लेने जा रहा था, तभी तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। मृतक को अस्पताल पहुंचाने के बाद भी इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पाली पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर कार को टोल नाका के पास पकड़ लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिवार को सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंच गए और उनका रो-रो के बुरा हाल हो गया है। मृतक के परिवार में एक बेटी और एक बेटा है। बेटी की शादी हो चुकी है और बेटा अभी पढ़ाई कर रहा है। मामले में पुलिस ने बताया कि अज्ञात कार चालक के खिलाफ स्न्ढ्ढक्र दर्ज की गई है। मृतक के परिजनों से बयान लिया जा रहा है। साथ ही फरार अज्ञात कार चालक की पतासाजी की जा रही है। आरोपी को पुलिस जल्द गिरफ्तार करेगी।

डेराडीह में 140 लीटर महुआ शराब के साथ दो गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। थाना गिधौरी पुलिस द्वारा ग्राम डेराडीह में भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले 2 आरोपियों कोर्ि गरफ्तार किया गया। ग्राम डेराडीह में आरोपियों विकास और प्रकाश निवासी ग्राम डेराडीह पुलिस चौकी गिरौदपुरी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से कुल 140 लीटर महुआ शराब, कीमत 28,000 रुपए तथा बिक्री रकम ?140 जब्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध थाना गिधौरी में अपराध क्र. 172/2024 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए, जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

हादसे के बाद स्कूटी सवार को घसीटता रहा कार चालक

गुस्साई भीड़ ने कर दी कार चालक व उसके साथी की पिटाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। शहर में गुरुवार देर रात नशे में धुत कार चालक ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी और करीब 1 किलोमीटर तक घसीटते ले गया। टक्कर के बाद युवक दूर जा गिरा। वहां मौजूद लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत गंभीर है। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने कार चालक व उसके साथी को जमकर पीटा। भीड़ ने दोनों के कपड़े भी फाड़ दिए। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

सरकंडा निवासी युवक अपनी एक्टिवा से घर जा रहा था, तभी एक सफेद रंग की कार में 2 युवक नशे में गाड़ी चलाते पहुंचे और एक्टिवा को सामने से जोरदार टक्कर मार दिया। एक्टिवा कार के सामने हिस्से में फंस गई। हादसे के बाद कार चालक महेश कुमार कश्यप और अजय कुमार मानिकपुरी एक्टिवा को सड़क पर घसीटते हुए नेहरू चौक से इंदिरा सेतु होते हुए पुराने सरकंडा पुल की तरफ भाग रहे थे। दोनों आरोपी घुरू के रहने वाले हैं। वहीं सड़क पर खड़े लोगों ने कार में एक्टिवा फंसी देखकर पीछा करने लगे। कुछ दूरी में लोगों ने दोनों को पकड़ लिया। कार में सिर्फ स्कूटी फंसी मिली। गुस्साए लोगों ने दोनों की जमकर धुनाई की।

अब इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें आधीरात लोग हंगामा कर रहे हैं। युवकों को और पीटने की बात कह रहे हैं। मामले टीआई प्रदीप आर्या ने बताया कि सूचना मिलते ही सिविल लाइन और सरकंडा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने गुस्साई भीड़ को शांत कराया। आरोपी कार चालक और साथ युवक को थाने लेकर पहुंचे।

धमतरी में इनामी नक्सली ने किया सरेंडर, पांच लाख था इनाम

■ कई वारदातों में रहा शामिल, धमतरी एसपी अंजनेय वार्ष्णेय ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में इनामी नक्सली ने सरेंडर किया है। कई वारदातों में शामिल रहे उक्त नक्सली पर पांच लाख रुपए का इनाम रखा गया था। छत्तीसगढ़ में सरकार द्वारा चलाए जा रहे नक्सली उन्मूलन अभियान के तहत पुलिस को यह सफलता मिली है। धमतरी एसपी अंजनेय वार्ष्णेय ने प्रेस वार्ता करते हुए इसकी जानकारी दी है।

एसपी अंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि अजय कुमार नामक नक्सली ने जिला पुलिस मुख्यालय पहुंचकर आत्मसमर्पण किया। अजय उर्फ अघन मूलतः कांकेर

जिले का रहने वाला है जो 2010 से माओवादी संगठन में सक्रिय था। अजय के ऊपर हत्या आई डी बम जैसे गंभीर अपराध कायम था। अजय कुमार ने साल 2017 में जिले के खल्लारी ग्राम जोगी बीरदो में एक ग्रामीण की हत्या किया था। वहीं 2018 में बोरई ग्राम के कारीपानी में मार्ग में पेड़ काटकर मार्ग बाधित किया था। इसके अलावा 2020,21 में पुलिस नक्सली मुठभेड़ सहित ग्रामीणों का हत्या में शामिल था। जिस पर पांच लाख का इनाम रखा गया था। अब नक्सली अजय कुमार ने पुलिस मुख्यालय पहुंचकर सरेंडर कर दिया। पुलिस ने इन्हें तत्काल समर्पण पुनर्वास के लिए 25000 हजार का नगदी प्रोत्साहन राशि दिया गया।

सुकमा में इनामी नक्सली समेत दो ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। सुकमा जिले में सरकार की नीति और पुलिस के अभियान से प्रभावित होकर जिले में सक्रिय दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति'' एवं ''नियद नेल्ला नार'' योजना से प्रभावित होकर तथा अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित कर पुलिस के बढ़ते प्रभाव से आत्मसमर्पण किया है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पद के अनुरूप एक आत्मसमर्पित नक्सली पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। नक्सलियों को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में थाना एर्राबोर पुलिस बल एवं 223 वाहिनी सीआरपीएफ 206 कोबरा वाहिनी के आसूचना षाखा का विशेष प्रयास रहा है। मामले की पुष्टि करते हुए सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की ''छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति'' एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ''नियद नेल्ला नार'' योजना से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण किया। दो नक्सलियों कुहराम बण्डी और माड़वी कोसा ने आत्मसमर्पण किया।

दुर्ग के स्वामी आत्मानंद स्कूल की बिल्डिंग में फैला करंट, स्कूल कराया गया बंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के तितुरडीह स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में करंट फैलने से हड़कंप मच गया। स्कूल में पढ़ाई के दौरान एक पंखे से चिंगारी निकली और दीवारों पर करंट दौड़ने लगा। एक छात्र ने इसकी जानकारी दी तो सनसनी फैल गई। आनन फानन में स्कूल को खाली कराया गया। इसकी सूचना जिला शिक्षा अधिकारी को दी गई। इसके बाद स्कूल में सुधार कार्य शुरू कराया गया।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर तीतुरडी स्वामी आत्मानंद स्कूल में करंट फैलने की सूचना मिली थी। प्रिंसिपल प्रेमलता तिवारी ने बताया कि क्लास-रूम में लगे पंखे में

स्पार्किंग होने से चिंगारी निकलने लगी। दीवार में सीपेज के कारण करंट दौड़ने लगा। इसके बाद प्रिंसिपल ने स्कूल के बच्चों को बिल्डिंग से बाहर निकालकर छुट्टी दे दी। बिजली मैकेनिक को बुलवाकर दिखवाया गया। उसने करंट की समस्या को दूर कर दिया। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए गुरुवार को भी स्कूल बंद रखा गया है।

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

किसानों को मिला 6281 करोड़ रू. अल्पकालीन कृषि ऋण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राज्य के अधिक से अधिक किसानों को अल्पकालीन कृषि ऋण वितरण किया जा रहा है। प्रदेश में किसानों को अब तक राज्य सहकारी बैंकों के द्वारा 2058 सहकारी समितियों के माध्यम से लगभग 6281 करोड़ रूपए का अल्पकालीन कृषि ऋण वितरण किया गया है। इस वर्ष राज्य सरकार द्वारा किसानों को 7300 करोड़ रूपए ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। किसानों को उनके मांग और रकबे के अनुरूप अल्पकालीन कृषि ऋण प्रदान किया जा रहा है। जबकि पिछले वर्ष आज की स्थिति में 6 हजार 193 करोड़ रूपए के अल्पकालीन कृषि ऋण वितरित किए गए थे।

गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा किसानों को खेती-किसानी की प्रारंभिक जरूरतों को पूरा करने तथा खेती-किसानी में सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना प्रारंभ किए गए हैं। इसके अलावा किसानों को साहूकारों के चंगुलों से बचाना इसका एक प्रमुख उद्देश्य था। वर्तमान समय में इस योजना के माध्यम से प्रदेश के लाखों किसान इससे लाभान्वित हो रहे हैं। इससे किसानों को प्रारंभिक और खेती-किसानी की जरूरतों के लिए न सिर्फराहत मिली है, बल्कि फसलों के उत्पाद में लगातार वृद्धि भी हो रही है।

लक्ष्य का 95 प्रतिशत बोनी पूर्ण

चालू खरीफसीजन में अब तक लक्ष्य का 95 प्रतिशत बोनी पूर्ण हो चुका है। जबकि इस सीजन में राज्य सरकार द्वारा 48.63 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों के बोनी का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 46.35 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों की बोनी हो चुकी है।

8.83 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित

प्रदेश के किसानों को चालू खरीफ सीजन में विभिन्न फसलों की बोनी के लिए सरकारी समितियों एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से सुगमता के साथ प्रमाणित बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक किसानों को विभिन्न खरीफ फसलों के 8 लाख 83 हजार क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण किए गए हैं, जो कि राज्य में बीज की मांग का 90 प्रतिशत है। गौरतलब है कि राज्य में खरीफ की विभिन्न फसलों के प्रमाणित बीज की कुल मांग 9 लाख 78 हजार क्विंटल है, इसके विरूद्ध 9 लाख 31 हजार क्विंटल प्रमाणित बीज भण्डारण किया जा चुका है। किसानों को अब तक 8.83 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया गया है, जो मांग का 90 प्रतिशत है।

12 मीट्रिक टन खाद का वितरण

प्रदेश में चालू खरीफ सीजन के लिए किसानों को विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों का वितरण जारी है। 21 अगस्त 2024 की स्थिति में किसानों को लगभग 12 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किया जा चुका हैं, जो लक्ष्य का 88 प्रतिशत है। वितरित किए गए उर्वरकों में 5 लाख 81 हजार 342 मीट्रिक टन यूरिया, 2 लाख 62 हजार 207 मीट्रिक टन डीएपी, 1 लाख 51 हजार 259 मीट्रिक टन एनपीके, 50 हजार 431 मीट्रिक टन पोटाश तथा एक लाख 52 हजार 664 मीट्रिक टन सुपर फास्फेट का वितरण शामिल है। चालू खरीफसीजन के लिए राज्य में सहकारिता एवं निजी क्षेत्र के माध्यमों से किसानों को 13 लाख 68 हजार मीट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरूद्ध अब तक 15.24 लाख मीट्रिक टन का भण्डारण करा लिया गया है। भण्डारण के विरूद्ध लगभग 12 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किसानों को किया जा चुका है। किसानों को सुगमता पूर्वक खाद का वितरण सोसायटी और निजी विक्रेताओं द्वारा किया जा रहा है। किसानों को किसी प्रकार से परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा खाद-बीज वितरण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

[खास खबर]

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदल रही है कई परिवारों की जिंदगी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार और संवेदनशील सरकार ने आवासहीन परिवारों को पक्की छत देने के लिए कृत संकल्पित है। यह योजना न केवल लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सहायक है, बल्कि उन्हें एक सुरक्षित और स्थिर आवास भी प्रदान करती है। राज्य सरकार की इसी पहल से बलौदाबाजार की श्रीमती भोजेश्वरी वर्मा का सपना साकार हुआ है,बल्कि यह पहल पूरे जिले में एक नई उम्मीद और उज्ज्वल भविष्य की किरण साबित हो रही है। आशाएं जब जीवंत रूप लेती हैं तो उसकी खुशी पूरे घर में साझा की जाती है। ऐसा ही एक दृश्य बलौदाबाजार भाटापारा जिले के ग्राम सकरी निवासी में देखने को मिला.जहां प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लोगों का आवास का सपना साकार हुआ है। श्रीमती भोजेश्वरी वर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए वरदान साबित हुई है। वे पुराने दिनों की कठिनाइयों को याद करते हुए बताती हैं कि कच्चे मकान में रहना काफी तकलीफ दायक था। मौसम के अनुसार विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कभी छत टपकती थी तो कभी ठंड से रातभर नींद पूरी नहीं होती थी। अब पक्का मकान मिलने से उनकी ये समस्याएं दूर हो गई हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है, जिससे वे लोग बिना परेशानियों का अपना जीवन व्यतीत कर सकें।

वंदना ने महतारी वंदन के पैसों से बेटे के लिए खरीदा सोने का लॉकेट

रायपुर। कोरबा जिला के ग्राम कोरकोमा की वंदना राठिया की इच्छा थी कि वे अपने बेटे के गले में सोने का छोटा-सा ही सही एक लॉकेट जरूर पहनाएं, लेकिन आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से वह अपनी इच्छा पूरी ही नहीं कर पा रही थी। वंदना ने कुछ रूपए बचत कर जोड़े जरूर थे, लेकिन वह इतनी राशि नहीं थी कि उससे उसका लॉकेट आ जाए। इसी बीच छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जब महतारी वंदन योजना लागू की गई तो वंदना की मानों किस्मत खुल गई। अपना नाम जोड़वाने के बाद वंदना के बैंक खाते में भी एक हजार की राशि प्राप्त होने लगी। उन्होंने कुछ महीनों की राशि को जमा कर इतने रूपये जोड़ लिए कि बच्चे के गले का लॉकेट आ जाए।

विकास कार्यों की उद्योगमंत्री ने की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योगमंत्री लखनलाल देवांगन ने कोण्डागांव जिले में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाए। सभी अधिकारी जिले के समग्र विकास के लिए समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बैठक में जलजीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, विद्युत व्यवस्था, कृषि, खनिज, वन और शहरी विकास सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि केशकाल घाट सड़क के मरम्मत कार्य जल्द कराएं ताकि आम लोगों की यात्रा सुरक्षित और सुगम हो। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत आम नागरिकों को जल प्रदाय योजना से नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रगतिरत योजनाओं को शीघ्रता से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उद्योग मंत्री ने कहा कि किसानों और अन्य नागरिकों को बिना किसी बाधा के नियमित रूप से बिजली मिलती रहे। प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत आवास निर्माण कार्य की प्रगति समीक्षा में निर्माणाधीन आवासों को भी जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान सांसद बस्तर महेश कश्यप ने निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से तकनीकी मापदंडों के अनुरूप सुनिश्चित करने पर जोर दिया। वहीं विधायक कोंडागांव सुश्री लता उसेण्डी ने जल जीवन मिशन के कार्यों को जल्द पूर्ण किये जाने कहा। इस दौरान विधायक केशकाल नीलकंठ टेकाम ने नगरीय निकायों के अंतर्गत स्थापित सोलर लाइटों की मरम्मत पर जोर दिया।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बैठक में जिले के विकास कार्यों एवं जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी देते बताया कि जिले के कोंडागांव ब्लॉक के 77 गांवों में जल जीवन मिशन के तहत सफलतापूर्वक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। मिशन के तहत जिले में 1,26,713 नल कनेक्शन का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से अब तक 98,427 कनेक्शन पूरे किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले में 15,994 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 11,523 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है।

बैठक के दौरान खनिज न्यास निधि के कार्यों सहित एक पेड़ मां के नाम, महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं तथा नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत के परिसीमन और शहरी आवास के निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

कोर्ट में सीपेज देख नाराज हुए मुख्य न्यायाधीश सिन्हा

अव्यवस्थाओं को तत्काल निराकृत करने के दिए सख्त निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने गुरूवार को अपने न्यायालय में सभी सूचीबद्ध प्रकरणों की सुनवाई उपरांत जिला एवं सत्र न्यायालय, बिलासपुर का औचक निरीक्षण किया। सर्वप्रथम श्री सिन्हा ने जिला न्यायालय बिलासपुर के पुराने भवन के समस्त कक्षों का निरीक्षण किया।

न्यायालय भवन में जगह-जगह सीपेज देखकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। भवन की कई दीवारों में दरारें और कोर्ट रूम की दीवारों में भी जगह-जगह सीपेज की समस्या दिखी। कॉरीडोर में छत से पानी टपकने के कारण कॉरीडोर में पानी जमा हो रहा था और इसी तरह गार्डन में गमले व पौधे अस्त-व्यस्त पाये गए। साथ ही न्यायालय की वाहन पार्किंग व्यवस्था भी अस्त-व्यस्त थी।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने इसके उपरांत जिला न्यायालय, बिलासपुर के नवीन भवन में स्थित कोर्ट रूमों का भी निरीक्षण किया गया। नवीन भवन की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई। कॉरीडोर में पानी देखकर प्रधान जिला न्यायाधीश से उसका कारण पूछा गया, जिसके संबंध में जानकारी दी गयी कि ए.सी. के पानी के कारण कॉरीडोर गीला हो रहा है। इसके तत्काल निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। निर्माणाधीन नवीन वाहन पार्किंग का भी निरीक्षण किया और उपस्थित इंजीनियरों को कार्य नियत समयावधि में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया।

मुख्य न्यायाधीश श्री सिन्हा के निरीक्षण की सूचना पर कलेक्टर, बिलासपुर अवनीश कुमार शरण व अन्य प्रशासनिक अधिकारीगण जिला न्यायालय, बिलासपुर में उपस्थित हुए। मुख्य न्यायाधीश द्वारा उक्त अधिकारीगणों को निर्देशित किया कि वे प्रधान जिला न्यायाधीश, बिलासपुर से सामंजस्य करते हुए उक्त अव्यवस्था व समस्याओं को 15 दिवस के अंदर निराकृत कर सूचित करें।

न्यायालय भवन में पायी गयी कमियों एवं अव्यवस्थाओं को देखकर मुख्य न्यायाधीश ने अत्यधिक नाराजगी व्यक्त की तथा श्रीमती नीता यादव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर को उक्त कमियों एवं अव्यवस्थाओं को तत्काल निराकृत करने हेतु सख्त निर्देश दिए।

गौरतलब है कि पूर्व में भी मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा द्वारा राज्य के समस्त जिला न्यायालयों का निरीक्षण कर समस्याओं के निराकरण हेतु प्रयास किये गये थे जिनके सकारात्मक परिणाम भी मिल रहे हैं। इस अवसर पर उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल बलराम वर्मा, श्रीमती नीता यादव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर, संयुक्त रजिस्ट्रार सह पीपीएस एम.वी.एल.एन. सुब्रहमन्यम तथा प्रोटोकॉल ऑफिसर आर.एस. नेगी भी उपस्थित थे।

कृषि वैज्ञानिकों ने बताए सोरटी से फसलों को बचाने के उपाय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों को कृषि उपचार के लिए निरन्तर सलाह प्रदान कर रहे हैं। प्रदेश के जिलों में खेती-किसानी में होने वाले बीमारियों को जिलावार चिन्हाकित कर कीटनाशक छिड़काव के बारे में किसानों को जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में सुकमा जिले के विभिन्न गांवों में धान के खेतों मे पत्ती मोड़क कीट का प्रकोप दिखाई दिया है इसे पत्ती लपेटक या चितरी या सोरटी कहा जाता है। इसके उपचार के लिए कीटनाशक छिड़काव के विधि और तरीके बताए गए हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सुकमा के कृषि वैज्ञानिकों ने जिले के मुरतोणडा, पेरमापारा, नीलावरम, तोगपाल, सोनाकुकानार, नयानार, रामपुरम का मैदानी भ्रमण के दौरान धान के खेत में पत्ती मोड़क कीट का प्रकोप पाया गया, इसे पत्ती लपेटक या चितरी या सोरटी कहा जाता है। इस कीट की इल्ली अवस्था फसल को नुकसान पहुंचाती है। इस कीट की इल्ली अपने लार द्वारा पत्ती की नोंक को या पत्तियों के दोनों सिरों को चिपका लेती है। इस तरह इल्ली इसके अंदर रहकर पत्तियों के हरे भाग (क्लोरोफिल) को खुरच-खुरच कर खा जाती है, जिसके कारण पत्तियों पर सफेद धारियां दिखाई देती है, जिसकी वजह से पत्तियों में भोजन बनाने की प्रकिया नहीं हो पाती है। कीट द्वारा ग्रसित पत्तियाँ बाद में सूखकर मुरझा जाती हैं व फसल की बढवार भी रूक जाती हैं। इसके नियंत्रण और उपचार के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने प्रभावी उपाय अपनाने किसानों को सलाह दिया। जिनमें खेतों एवं मेड़ों को खरपतवार मुक्त रखें। संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों का उपयोग करें। खेतों मे चिड़ियों के बैठने के लिए टी आकार की पक्षी मीनार लगाए। रात्रि चर कीट को पकड़ने के लिए प्रकाश प्रंपच या लाइट ट्रैप खेतो में लगाए। अण्डे या इल्ली दिखाई देने पर उसे इकट्ठा करके नष्ट करें। कीट से प्रभावित खेतों में रस्सी चलाएं।

कृषि वैज्ञनिकों ने बताया कि बारिश रुकने व मौसम खुला होने पर कोई एक कीटनाशक का स्प्रे कराये। क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. 1250 मि.ली. प्रति हेक्टेयर या कर्टाफ हाइड्रोक्लोराइड 50रू एस.पी. 1000 ग्राम प्रति हेक्टेयर या क्लोरेटानिलिप्रोएल 18.5: एस.सी. 150 ग्राम प्रति हेक्टेयर या इंडोक्साकार्ब 15.80 प्रतिशत ई.सी.200 मि.ली. प्रति हेक्टेयर का उपयोग करके प्रभावी नियंत्रण कर सकते हैं। ठीक न होने पर 15 दिन बाद दूसरे कीटनाशक का छिडकाव करें और अधिक जानकारी के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों और कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क करके ही रासायनिक दवाइयों का उपयोग करें।

बस्तर से 87 तो कांकेर से 72 श्रद्धालु अयोध्याराम रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। राज्य शासन की श्री रामलला दर्शन योजनान्तर्गत जिले के 87 श्रद्धालु श्री रामलला दर्शन के लिए जय श्रीराम उद्घोष के साथ अयोध्या धाम रवाना हुए। इस मौके पर बस्तर सांसद महेश कश्यप और अन्य जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय टाऊन हॉल परिसर में हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं के बस को रवाना किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को पुष्प भेंटकर उन्हें श्री रामलला दर्शन हेतु बधाई दी गई।

इस मौके पर सांसद श्री कश्यप ने सभी श्रद्धालुओं को सकुशल यात्रा की बधाई देते हुए कोई भी दिक्कत होने पर अपने सहयोगी एवं कर्मचारियों से तुरंत सम्पर्क करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में चार आश्रम का पालन किया जाता है, सबका साथ, सबका विकास के साथ बस्तर की जनता को धार्मिक स्थल का भ्रमण करवाने की योजना संचालित कर लाभ दिया है। भगवान राम का नाता छत्तीसगढ़ से रहा है। हमारा राज्य तो उनका ननिहाल है और वनवास के दौरान लगभग 12 साल हमारे दण्डकारण्य में गुजारे है। इस रामलला दर्शन योजना से सरकार ने आम जनों को भगवान राम से जोड़ने की पहल की इसके लिए आभार।

इस दौरान आधिकारियों अवगत कराया कि इस योजनान्तर्गत 87 श्रद्धालुओं को लाभान्वित किया जा रहा है। इन सभी का स्वास्थ्य रिकार्ड पहले ही लिया गया है और यात्रा के पूर्व भी स्वास्थ्य जांच किया गया है। इन श्रद्धालुओं के साथ उनके सहयोगी भी जा रहे हैं। साथ ही प्रशासन द्वारा समुचित देखभाल के लिए कर्मचारियों की नामजद ड्यूटी लगाई गई है। जिले के इन श्रद्धालुओं का जत्था बस्तर एवं दुर्ग संभाग के श्रद्धालुओं के साथ दुर्ग रेलवे स्टेशन से विशेष ट्रेन के जरिए सीधे अयोध्या धाम प्रस्थान करेगा।

विधायक ने दिखाई हरी झंडी

श्रीरामलला दर्शन योजना के अंतर्गत तीसरे चरण की यात्रा के लिए उत्तर बस्तर कांकेर के 72 वरिष्ठ नागरिक अयोध्या धाम दर्शन के लिए रवाना हुए। विधायक आशाराम नेताम और पूर्व सांसद मोहन मंडावी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने दर्शनार्थियों को लेकर जा रही बसों को सुबह 7.30 बजे लाइवलीहुड कॉलेज कांकेर से हरी झंडी दिखाकर दुर्ग रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया। इस अवसर पर मत्स्य कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष भरत मटियारा, जनपद पंचायत अध्यक्ष रामचरण कोर्राम, अरुण कौशिक, ईश्वर कावड़े सहित जिला पंचायत सीईओ एवं नोडल अधिकारी सुमित अग्रवाल भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि जिले से श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत तीसरे चरण की यात्रा के लिए लॉटरी के माध्यम से 72 दर्शनार्थियों का चयन किया गया था, जिसे 02 अनुरक्षक के साथ कुल 74 लोगों के दल को जिला मुख्यालय से रवाना किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950